शब्दबाणों का प्रहार
राष्ट्रबाण
सिवनी
संपादकः संजय बघेल
मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार
रविवार 31 अगस्त 2025 E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 10 ● अंक : 139 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए
www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

@ PG 2

न्यूज ब्रीफ

टीएमसी विधायक साहा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

कोलकाता। कोलकाता में शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार टीएमसी विधायक जीवन कृष्ण साहा को विशेष पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ईडी के वकील भास्कर प्रसाद बनर्जी ने अदालत से साहा को न्यायिक हिरासत में भेजने की अपील की। विधायक ने अदालत में जमानत की कोई अर्जी नहीं दी। साहा, मुर्शिदाबाद जिले के बुरवान विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। ईडी ने साहा को उनके घर पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया। छापे उनके सहयोगियों और एक कथित दलाल प्रसन्न कुमार रॉय के ठिकानों पर भी पड़े।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा दक्षिण भारत में जल्द बनेगी बुलेट ट्रेन

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि दक्षिण भारत में बुलेट ट्रेन कनेक्टिविटी शुरू की जाएगी। यह ट्रेन हैदराबाद, अमरावती, चेन्नई और बेंगलुरु को जोड़ेगी। उन्होंने बताया कि इस के लिए सर्वे का आदेश दिया गया है। यह योजना लगभग पाँच करोड़ लोगों की जरूरतों को पूरा करेगी। नायडू ने यह घोषणा 'इंडिया फूड मैन्युफैक्चरिंग समिट' में की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन शुरू होने के बाद लोग राज्य की बेहतर लॉजिस्टिक्स व्यवस्था देख पाएंगे। इसके साथ ही, राज्य में सड़क व्यवस्था को भी सुधारा जाएगा, जिसमें सड़कों की मरम्मत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर की जाएगी।

सचिवालय के बाहर पुलिस ने केटीआर को गिरफ्तार किया

हैदराबाद। शनिवार को तेलंगाना सचिवालय के बाहर प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर (के.टी. रामराव) गिरफ्तार कर लिया है। केटीआर खाद की किल्लत को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान कई विधायक कृषि आयुक्त कार्यालय पहुंचे। ज्ञापन देने के बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया।

राष्ट्रबाण
अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए
सिर्फ 100 रुपए महीना
संपर्क : 7000427433

7 साल बाद चीन पहुंचे मोदी

एससीओ समिट में शामिल होंगे ; जिनपिंग-पुतिन के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे

बीजिंग। राष्ट्रबाण

प्रधानमंत्री मोदी दो दिन की जापान यात्रा के बाद शनिवार को एससीओ समिट में शामिल होने के लिए चीन पहुंच गए हैं। वे सात साल बाद चीन पहुंचे हैं। एससीओ समिट से इतर पीएम मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन के दिसंबर में भारत दौरे के प्रोग्राम पर भी चर्चा होगी।

पीएम मोदी की यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब पूरी दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की टैरिफ नीतियों से जूझ रही है। ट्रम्प ने भारत पर 50% तो चीन पर 30% टैरिफ लगाया है। चीन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक एससीओ समिट की बैठक होने वाली है। इसमें 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल होंगे।

भारतीय प्रवासियों ने वंदे मातरम के नारे लगाए

प्रधानमंत्री के तियानजिन के एक होटल में पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय प्रवासियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। वहीं चीनी कलाकारों ने पीएम मोदी के सामने भारतीय शास्त्रीय संगीत और डांस का प्रदर्शन किया। ये कलाकार कई सालों से भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य सीख रहे हैं।

पिछले महीने जयशंकर ने चीन का दौरा किया

पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। जयशंकर ने जल संसाधन डेटा शेयर करने, व्यापार प्रतिबंधों, स्र्ट पर तनाव कम करने और आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने जैसे मुद्दों पर बात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मुलाकात ने मोदी की चीन यात्रा का रोडमैप तैयार किया था।

जापान में मोदी ने बुलेट ट्रेन का सफर किया:ट्रेनिंग ले रहे भारतीय ड्राइवरों से मिले; मोदी ने जापानी पीएम को मूनस्टोन गिफ्ट किया

टोक्यो। एजेंसी

पीएम मोदी शनिवार को जापान दौरे के दूसरे दिन एडवांस बुलेट ट्रेन श्व10 देखने मियागी प्रांत के सेंडाई पहुंचे। यहां उनके साथ जापान के पीएम शिगेरू इशिबा भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने ट्रेन में सफर भी किया। इस दौरान उन्होंने भारत के ट्रेन ड्राइवरों से मुलाकात भी की। इन्हें जापान का ईस्टर्न रेलवे ट्रेनिंग दे रहा है। ये भारत में चलने वाली बुलेट ट्रेनों को चलाएंगे। मोदी ने इशिबा को आंध्र प्रदेश के मूनस्टोन और चांदी से बना रामेन बाउल्स विद चॉपस्टिक्स सेट दिया। साथ ही पीएम की पत्नी योशिको इशिबा को पश्मीना शॉल गिफ्ट किया। इससे पहले मोदी ने शुक्रवार को 15वीं भारत-जापान समिट में हिस्सा लिया। इस दौरान दोनों देशों में 150 समझौते हुए। जापानी पीएम ने भारत में अगले 10 साल में 6 लाख करोड़ रुपए निवेश की बात कही। जापान के बाद मोदी चीन के दौरे पर गए। वे रविवार को एससीओ समिट में शामिल होंगे।

जापानी पीएम की पत्नी को पश्मीना शॉल गिफ्ट किया

मोदी ने इशिबा की पत्नी योशिको इशिबा को एक पश्मीना शॉल भेंट की। यह उपहार भारतीय कला का नमूना है। इस शॉल को कश्मीरी कारीगरों ने हाथों से बुना है और यह लद्दाख की चांगथांगी बकरी के ऊन से बनी है। इस शॉल पर गुलाबी और लाल रंग के फूलों के डिजाइन बने हैं। यह कश्मीरी डिजाइन और शिल्प कौशल को दर्शाता है।

जापानी पीएम को पीएम मोदी ने मूनस्टोन दिया

मोदी ने जापानी पीएम शिगेरु इशिबा को आंध्र प्रदेश के मूनस्टोन और चांदी से बना रामेन बाउल्स विद चॉपस्टिक्स सेट दिया। मोदी ने शिगेरू इशिबा को जो कटोरे दिए, उनमें एक बड़ा भूरा रंग का मूनस्टोन कटोरा है और चार छोटे कटोरे शामिल हैं। ये कटोरे जापान के डोंबुरी और सोबा खाने के तरीकों से प्रेरित हैं। बड़े कटोरे का आधार मकराना मार्बल से बना है। इस पर राजस्थान की पारंपरिक पारचीन करी शैली में कीमती पत्थर जड़े हैं।

मोदी का चीन दौरा खास क्यों है

ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक पीएम मोदी की यह यात्रा दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और द्विपक्षीय बातचीत को बढ़ावा देने का एक बड़ा मौका साबित हो सकती है।जिनपिंग इस समिट के जरिए दुनिया को यह दिखाने की कोशिश करेंगे वे अमेरिका के लीडरशिप वाले ग्लोबल ऑर्डर का एक विकल्प दे सकते हैं। इसके साथ ही इस समिट से यह मैसेज भी जाएगा कि चीन, रूस, ईरान और अब भारत को अलग-थलग करने की अमेरिकी कोशिशें नाकाम रही हैं।जून 2025 में किंगदाओ में हुई एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया था, क्योंकि उसमें 22 अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र नहीं था। अब एससीओ नेताओं के शिखर सम्मेलन में इसका जिक्र किया जा सकता है। साथ ही आतंकवाद के मुद्दे पर भारत सदस्य देशों का समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगा।

राहुल गांधी के सामने मोदी जिंदाबाद के नारे

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने दिखाए काले झंडे ; फ्लाइंग किस देते हुए निकले राहुल गांधी

सारण, आरा। एजेंसी

बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का आज 14वां दिन है। भोजपुर में यात्रा के दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए। नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए। राहुल गांधी विरोध कर रहे लोगों को फ्लाइंग किस देते हुए आगे निकल गए।

शनिवार को आरा के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में जनसभा हुई। जहां तेजस्वी यादव ने कहा, बच्चे जैसे कागज की नाव और प्लेन बनाकर उड़ाते हैं, नीतीश कुमार के वादे वैसे ही होते हैं। आप पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई वाली सरकार बनाइए। ओरिजिनल ष्ट्ररूचाहिए या डुप्लीकेट। फैसला आपको करना है। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, बिहार के लोगों को पता होगा, पहले भी बीजेपी का रथ यहां रोका गया है। इस बार भी यहां की जनता इनका रथ रोकेगी। ये पहले वोट का अधिकार छीनेंगे, फिर राशन का अधिकार छीनेंगे। फिर नौकरी का अधिकार छीनेंगे। ये आपको सड़क पर लाना चाहते हैं। अन्याय की लड़ाई अभी भी जारी है।

पटना में 1 सितंबर को समाप्त होगी यात्रा

वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में जनसभा के दौरान महागठबंधन ने शक्ति प्रदर्शन भी किया। मंच पर राहुल-तेजस्वी, अखिलेश यादव, दीपांकर भट्टाचार्य, मुकेश सहनी एक साथ नजर आए। यहां से राहुल गांधी और तेजस्वी पटना के लिए रवाना हो गए। कल यात्रा में ब्रेक होगा। 1 सितंबर को पटना में वोटर अधिकार यात्रा समाप्त होगी।

अखिलेश यादव बोले- जो लोग हमें डरा रहे हैं, आज सबसे ज्यादा ट्रंप से डर रहे हैं।

राहुल बोले- बीजेपी गरीबों की आवाज दबाना चाहती है

राहुल ने कहा, बिहार से पहले भी क्रांति की शुरुआत हुई है। वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत यहां से हुई है। ये चोरी सिर्फ आपके वोट की नहीं है. ये चोरी आपके अधिकार और भविष्य की है। आपको पहले रास्ते दिए जाते थे, पब्लिक सेक्टर था। सारे रास्ते आपके हाथ से छीन लिए गए। नरेंद्र मोदी, आरएसएस-बीजेपी, अडाणी-अंबानी की सरकार चलाते हैं। इसलिए वो चाहते हैं कि गरीबों की आवाज इस देश नहीं सुनी जाए। उसे दबाई जाए। पूरे देश में गरीबों की आवाज गूंजेगी। सुनाई देगी, हम बिहार में एक वोट चोरी नहीं होने देंगे। इन्होंने महाराष्ट्र, हरियाणा और लोकसभा चुनाव में वोट चोरी की, लेकिन हम बिहार में वोट चोरी नहीं करने देंगे।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में लैंडस्लाइड, 7 शव बरामद

पंजाब के 250 गांवों में बाढ़, 8 मौतें ; गुजरात- हिम्मतनगर में 15 कारें डूबीं

पठानकोट/देहरादून। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। यहां और भी लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति लापता है। उसकी तलाश जारी है। हिमाचल प्रदेश में मंडी के गोहर में शुक्रवार देर रात बादल फटा था। नांडी पंचायत में नसेंणी नाला में कई गाड़ियां बह गईं। शिमला के जतोग कैंट में लैंडस्लाइड हुई। सेना की रेसीडेंशियल बिल्डिंगों को खाली कराया गया।

पंजाब के अमृतसर, पठानकोट समेत 8 जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं। 250 से ज्यादा गांवों में 5 से 15 फीट तक पानी भरा हुआ है। बाढ़ में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। वहीं गुजरात के हिम्मत नगर में तेज बारिश के चलते 15 से ज्यादा कारें पानी में डूब गईं।

पंजाबः फिरोजपुर से अब तक 3000 लोगों का रेस्क्यू

पंजाब के फिरोजपुर सतलुज नदी में उफान के कारण पंजाब का बड़ा इलाका बाढ़ की चपेट में है। फिरोजपुर जिले के करीब 100 गांव प्रभावित हैं। जिला प्रशासन, सेना, ब्रस्स्न, ह्रष्ठक्रस्न और पुलिस लगातार रेस्क्यू में जुटे हैं। प्रभावित इलाकों में गजनीवाला, कालूवाला, टेड़ीवाला, निहाला लवेरा, बग्गेवाला शामिल हैं। मलेरिया-डेंगू रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें गनेशावाला, निहाला किल्चा, डोना मट्टर में दवा छिड़काव कर रही हैं।

हूमन जीपीएस नाम से मशहूर आतंकी मारा गया

25 सालों में 100+ घुसपैठ में मदद कराई थी ; गुरेज में दो दिन पहले एनकाउंटर

श्रीनगर। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सुरक्षाबलों ने ह्यूमन जीपीएस के नाम से मशहूर आतंकी बागू खान को मार गिराया है। बागू खान समंदर चाचा के नाम से भी जाना जाता था। अधिकारियों को उसका पहचान पत्र भी मिला है। सूत्रों के अनुसार, बागू खान 1995 से पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में रह रहा था। वह 25 सालों से आतंकी गतिविधियों में एक्टिव था और घुसपैठ के सबसे पुराने मददगारों में से एक था। वह 100 से ज्यादा घुसपैठ की घटनाओं में शामिल था। बागू खान जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के सभी रास्तों से वाकिफ था और पकड़े जाने से बचने के तरीके भी पता थे। इसलिए उसे ह्यूमन जीपीएस नाम दिया गया। वह सुरक्षा एंजेसियों की लिस्ट में हिजबुल मुजाहिदीन का मोस्ट वांटेड आतंकी था।

सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की 28 अगस्त को बागू खान के साथ गुरेज सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश के दौरान मुठभेड़ हुई थी। इसमें वह अपने एक साथी के साथ मारा गया। दूसरे आतंकी की पहचान नहीं हुई है। हालांकि, दोनों के शव बरामद हो गए हैं।

सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने गोलीबारी की थी भारतीय सेना ने एक्स पर बताया था कि उन्हें आतंकियों के घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके आधार पर, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया।

संसद में लगेंगे पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए

परिसर में संस्कृति से जुड़ा दूसरा प्रतीक होगा ; 2 साल पहले सेंगोल स्थापित किया गया था

नई दिल्ली। एजेंसी

संसद परिसर में पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए लगाए जाएंगे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की। मंदिर समिति ने बताया कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला हाल ही में पुरी दौरे पर गए थे। मंदिर समिति की तरफ से उनको यह प्रस्ताव दिया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है।

यह तीनों पहिए भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्रा के रथों से निकाले जाएंगे। भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष, देवी सुभद्रा के रथ को दर्पदलन और भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज कहलाता है।

इन तीन रथों के एक-एक पहिए दिल्ली भेजे जाएंगे। उन्हें संसद में ओडिशा की संस्कृति और विरासत के स्थायी प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाएगा।

संसद में संस्कृति से जुड़ा यह दूसरा प्रतीक होगा

ंसद में रथ यात्रा के पहिए लगने के बाद यह परिसर में स्थापित संस्कृति से जुड़ा दूसरा प्रतीक होगा। दो साल पहले लोकसभा में सेंगोल लगाया गया था। मई 2023 संसद में स्पीकर की कुर्सी के बगल में पीएम मोदी ने सेंगोल स्थापित किया था। सेंगोल जिसे राजदंड भी कहा जाता है, उसे अंग्रेजों की तरफ से 14 अगस्त 1947 की रात पं. नेहरू को सत्ता हस्तांतरण के रूप में सौंपा गया था। 1960 से पहले यह आनंद भवन और फिर 1978 से इलाहाबाद म्यूजियम में रखा था। 75 साल बाद राजदंड का संसद में प्रवेश हुआ।

एयर मार्शल बोले- इतने में ही पाक घबरा गया, सीजफायर के लिए कहने लगा

ऑपरेशन सिंदूर में पाक पर 50 से कम हथियार दागे

नई दिल्ली। एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के तीन महीने बाद वायुसेना उप प्रमुख ने नया खुलासा किया है। एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान को युद्धविराम की मेज पर लाने के लिए भारतीय वायुसेना ने 50 से भी कम हथियार दागे।

एनडीटीवी डिफेंस समिट में बोलते हुए एयर मार्शल ने कहा कि मौजूदा ऑप्शन की लिस्ट में हमारे पास बड़ी संख्या में टारगेट थे। आखिरकार हम 9 तक पहुंचे। हमारे लिए मुख्य बात यह थी कि 50 से भी कम हथियारों के साथ हम सीजफायर हासिल करने में सफल हुए। उन्होंने कहा, युद्ध शुरू करना बहुत आसान है, लेकिन उसे खत्म करना उतना आसान नहीं है और यह एक महत्वपूर्ण बात थी, जिसे ध्यान में रखना जरूरी था, ताकि हमारी सेनाएं सक्रिय रहें, तैनात रहें और किसी भी संभावित स्थिति के लिए तैयार रहें।

दरअसल, सेना ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को पाकिस्तान स्थित 9 आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से सीजफायर की गुहार लगाई थी।

तीनों सेनाओं को मिले थे ये निर्देश

उन्होंने बताया कि नई दिल्ली से मिले निर्देश तीन मुख्य बातों पर केंद्रित थे। पहला, दुश्मन के खिलाफ हर कार्रवाई सख्त और दंडात्मक होनी चाहिए। दूसरा, ऐसा संदेश दिया जाए जिससे भविष्य में हमले करने की हिम्मत न हो। तीसरा, सशस्त्र बलों को पूरी परिचालन स्वतंत्रता दी जाए और साथ ही इस बात की तैयारी भी रहे कि कहीं संघर्ष पारंपरिक युद्ध का रूप न ले ले।

आईएसीसीएस बनी ऑपरेशन की रीढ़

एयर मार्शल ने भारत की इंटीग्रेटेड एयर कमांड और कंट्रोल सिस्टम (आईएसीसीएस) की तारीफ की। उन्होंने बताया कि चार दिन चले संघर्ष के दौरान ये सिस्टम आक्रामक और रक्षात्मक दोनों ऑपरेशन की रीढ़ साबित हुई। आईएसीसीएस की मदद से भारत शुरुआती हमलों को झेल सका और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया, जिसके बाद पाकिस्तान तनाव कम करने के लिए तैयार हो गया।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के 5 जेट गिराए

एयर फोर्स चीफ एपी सिंह ने 9 अगस्त को कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान गिराए गए थे। इसके अलावा एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया। यह सतह से हवा में टारगेट हिटिंग का अभी तक का रिकॉर्ड है।

एनकाउंटर में मारा गया समंदर चाचा उर्फ ह्यूमन GPS

राष्ट्रबाण

जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में करवा चुका था आतंकियों की 100 घुसपैठ

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल की. एनकाउंटर में बागू खान उर्फ समंदर चाचा मारा गया है, जिसे आतंकियों की दुनिया में 'ह्यूमन जीपीएस' कहा जाता था. सूत्रों के मुताबिक, समंदर चाचा के साथ एक और पाकिस्तानी घुसपैठिया भी ढेर हुआ है. बागू खान उर्फ समंदर चाचा 1995 से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में रह रहा था. सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, वो पिछले तीन दशकों से गुरेज सेक्टर और आसपास के इलाकों से 100 से ज्यादा घुसपैठी प्रयासों को अंजाम दिलाने में शामिल रहा, जिनमें से ज्यादातर सफल रहे. इलाके के कठिन पहाड़ी और गुप्त रास्तों की गहरी जानकारी उसे आतंकी संगठनों के लिए बेहद खास बनाती थी.

आतंकियों के नेटवर्क को बड़ा झटका

सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, समंदर चाचा की मौत आतंकी संगठनों के लॉजिस्टिक नेटवर्क को करारा झटका है. उसके मारे जाने से घुसपैठ की कई संभावित योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं. समंदर चाचा वर्षों तक सुरक्षा बलों की पकड़ से बचता रहा है.

एनकाउंटर में ढेर

सूत्रों ने बताया कि 28 अगस्त की रात जब वो नौशेरा नार इलाके से एक और घुसपैठ की कोशिश कर रहा था, तभी सुरक्षा बलों ने उसे घेर लिया. मुठभेड़ में समंदर चाचा और उसके साथ मौजूद एक और आतंकी मारा गया. अगले दिन यानी 29 अगस्त की सुबह तक इलाके में गोलीबारी और तलाशी अभियान जारी रहा.

आतंकी संगठनों की करता था मदद

हालांकि, वो हिजबुल कमांडर था, लेकिन समंदर चाचा सिर्फ एक आतंकी संगठन तक सीमित नहीं था. उसने लगभग हर आतंकी संगठन को घुसपैठ की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में मदद की. इसी वजह से आतंकी उसे 'ह्यूमन जीपीएस' कहकर बुलाते थे.

'दिल्ली में कोई सुरक्षित है भी या नहीं?'

कालकाजी मंदिर में सेवादार की हत्या पर केजरीवाल ने BJP सरकार को घेरा

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. दिल्ली के कालकाजी मंदिर में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 35 वर्षीय सेवादार योगेंद्र सिंह की पिटाई से मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि विवाद 'चुन्नी प्रसाद' को लेकर हुआ था. घायल योगेंद्र को तुरंत AIIMS ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस घटना को लेकर सवाल खड़े किए हैं.

पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एक एक्स पोस्ट में कहा, कालकाजी मंदिर के अंदर सेवादार की निर्मम हत्या करने से पहले इन बदमाशों के हाथ नहीं कांपे? ये कानून व्यवस्था की विफलता नहीं तो और क्या है? भाजपा के चारों इंजनों ने दिल्ली का ये हाल कर दिया है कि अब मंदिरों में भी ऐसी वारदातें हो रही हैं. क्या दिल्ली में कोई सुरक्षित है भी या नहीं? घटना को लेकर दिल्ली पुलिस ने बताया कि मृतक योगेंद्र सिंह उत्तर प्रदेश के हरदोई का निवासी था और पिछले 15 साल से कालकाजी मंदिर में सेवा कर रहा था. शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे कुछ लोग मंदिर दर्शन करने पहुंचे और प्रसाद की मांग की. जब योगेंद्र ने देने से मना किया तो बहस शुरू हो गई और मामला मारपीट में बदल गया.

दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया केस, एक आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103(1)/3(5) के तहत केस दर्ज किया गया है. गिरफ्तार गए आरोपी की पहचान 30 वर्षीय अतुल पांडे, निवासी दक्षिणपुरी, के रूप में हुई है. बाकी आरोपियों की पहचान की जा रही है और उनकी तलाश की जा रह है.

बेहोश पड़े सेवादार को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटने का वीडियो वायरल सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि योगेंद्र मंदिर परिसर में बेहोश पड़े हैं और आरोपित लोग उन्हें लगातार डंडों और मुक्कों से पीट रहे हैं.

फास्ट ट्रैक

बिहार से मिनरल वाटर के नाम पर आता था 'जहर'

राष्ट्रबाण

लखनऊ. उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने राजधानी लखनऊ में एक बड़े अंतरराज्यीय ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन रैकेट का भंडाफोड़ किया है. छापेमारी में चार तस्कर गिरफ्तार किए गए, जिनके पास से करीब 2 करोड़ रुपये का प्रतिबंधित इंजेक्शन और भारी मात्रा में पैकिंग सामग्री बरामद की गई. पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है.

जानकारी के मुताबिक, UP STF को सूचना मिली थी कि मुजफ्फर खेड़ा इलाके के पारा थाना क्षेत्र में सरकारी स्कूल के पास एक जगह अवैध फैक्ट्री संचालित हो रही है. सोमवार देर रात की गई कार्रवाई में पुलिस ने वहां से 20 गैलन (5-लीटर वाले), 39 बोरी ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन, पैकिंग मशीन, खाली बोतलें, कैप, मोबाइल फोन, नकदी और एक कार-डाला जब्त किया. बरामद माल की कीमत करीब 2 करोड़ रुपये आंकी गई है. पुलिस पूछताछ में सामने आया कि गिरोह बिहार से मिनरल वाटर के नाम पर हाई डेनसिटी ऑक्सीटोसिन के ड्रम मंगवाता था. इसके बाद लखनऊ और आसपास जिलों में दूध निकालने, सब्जियों और फलों को जल्दी बड़ा करने के लिए सप्लाई की जाती थी. इस जहरीले कारोबार का जाल अंतर-राज्यीय स्तर पर फैला हुआ था. गौरतलब है कि ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन पर भारत सरकार ने 2001 से सख्त पाबंदी लगा रखी है. नियमों के अनुसार इसकी बिक्री केवल ब्लिस्टर पैक में ही मान्य है, लेकिन गिरोह इसे खुलेआम बोतलों में पैक कर अवैध रूप से बेच रहा था. जब्त किए गए सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं. एस-टीएफ अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ थाना पारा में संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है. अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई से खाद्य सुरक्षा और आम लोगों की सेहत के खिलाफ चल रहे एक बड़े खतरे को रोका गया है.

'भारत ने रोका ग्लोबल संकट

नहीं खरीदता रूसी तेल तो आज वैश्विक स्तर पर परिणाम भयानक हो सकते थे '

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने को लेकर भारत पर टैरिफ को बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया है और बार-बार भारत पर हमला बोल रहा है. ट्रंप के सहयोगी पीटर नवारो ने यहां तक दावा किया है कि यूक्रेन संघर्ष असल में 'मोदी का युद्ध' है, और आरोप लगाया कि भारत रियायती तेल खरीद के जरिए रूस का समर्थन कर रहा है.

इस बीच, उद्योग सूत्रों ने कई तथ्यों के हवाले से सभी झूठ को खारिज कर दिया है और यह बताया है कि अगर भारत रूसी तेल नहीं खरीदता तो वैश्विक स्तर पर परिणाम कितने भयानक हो सकते थे. सूत्रों का कहना है कि भारत ने रूसी तेल खरीदकर एक ग्लोबल संकट को रोका. अगर भारत खरीदना बंद कर देता, तो आज कच्चे तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती थी. कहा गया है कि भारत के आयात ने वैश्विक बाजारों को स्थिर किया है और रूस को आर्थिक मदद देने के बजाय, दुनियाभर के कंज्यूमर्स के लिए ईंधन की कीमतों को स्थिर बनाए रखने में मदद की है. इस कदम की अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन समेत कई इंटरनेशनल हस्तियों ने भी सराहना की है.

जब 137 डॉलर प्रति बैरल हुआ था कच्चा तेल

ग्लोबल मार्केट से रूसी तेल के बाहर हो जाने की पिछली आशंकाओं ने ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ा दी थीं. मार्च 2022 में इसकी कीमत 137 डॉलर प्रति बैरल उच्च स्तर पर पहुंच चुका था. जिसके बाद भारत ने रूसी तेल की खरीदारी करते हुए ग्लोबल स्थिति को संभाला है. ANI के सूत्रों के अनुसार, भारत ने नियमों के तहत ही रूसी तेल की खरीदारी की है और किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया है.

नवारो का क्या है दावा : ट्रंप के सहयोगी पीटर नवारो ने इस सप्ताह के शुरुआत में ही ब्लूमबर्ग को एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि भारत रियायती दर पर तेल खरीदकर रूस की मदद कर रहा है.

बाढ़ समीक्षा के दौरान मंत्री ने की 'क्रूज सवारी' पर चर्चा

बीजेपी-कांग्रेस ने बोला हमला

राष्ट्रबाण

चंडीगढ़. पंजाब में विपक्षी दलों ने एक वीडियो सामने आने के बाद शनिवार को राज्य की भगवंत मान सरकार पर निशाना साधा, जिसमें तरनतारन में बाढ़ से उपजी स्थिति की समीक्षा करते समय तीन कैबिनेट मंत्री कथित तौर पर क्रूज की सवारी पर चर्चा करते हुए सुने गए. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता तरुण चुघ और पंजाब कांग्रेस के नेता प्रताप सिंह बाजवा द्वारा 'एक्स' पर साझा की गई वीडियो क्लिप में मंत्री हरभजन सिंह, बरिंदर कुमार गोयल और लालजीत सिंह भुल्लर जीवन-रक्षक जैकेट पहने एक नाव में बैठकर स्वीडन और गोवा की क्रूज की सवारी पर चर्चा करते हुए दिख रहे हैं.

वीडियो यह कहते सुनाई दे रहे हैं मंत्री : वीडियो में हरभजन सिंह को यह कहते हुए सुना जा सकता है, मैं स्वीडन में एक क्रूज पर गया था. जहाज पर ही सब कुछ था, होटल वगैरह. पंजाब के जल संसाधन मंत्री बरिंदर गोयल को इसके जवाब में यह कहते हुए सुना जा सकता है कि गोवा में भी ऐसा ही है. हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद नदियों और बरसाती नालों के उफान पर होने के कारण पंजाब में आई बाढ़ के बीच यह क्लिप सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई.

कांग्रेस ने भी मान सरकार पर बोला हमला: पंजाब कांग्रेस के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने 'एक्स' पर लिखा, पंजाब में बाढ़ प्रभावित परिवार एक गिलास पीने के पानी के लिए भीख मांग रहे हैं, लेकिन आप पंजाब के मंत्री बरिंदर गोयल, लालजीत भुल्लर और हरभजन सिंह स्वीडन और गोवा में लक्जरी क्रूज की अपनी 'सुनहरी यादों' को ताजा कर रहे हैं. पंजाब के कई जिले भीषण बाढ़ की चपेट में हैं. कई एजेंसियां राहत कार्यों में जुटी हुई हैं.

BJP ने सरकार पर साधा निशाना

राज्य के कैबिनेट मंत्री बचाव और राहत कार्यों का जायजा लेने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, जबकि 7,689 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है. आम आदमी पार्टी (आप) के मंत्रियों पर निशाना साधते हुए बीजेपी नेता चुघ ने कहा, पंजाब डूब चुका है, खेत बर्बाद, घर तबाह, परिवार सड़कों पर हैं. लेकिन इन हालातों में भी मंत्री नाव पर बैठकर बाढ़ पीड़ितों का दर्द बांटने की बजाय स्वीडन-गोवा की क्रूज की बातें कर रहे हैं. उन्होंने लिखा, "जनता पूछ रही है, क्या पंजाब ने आपको सत्ता इसलिए दी थी कि संकट की घड़ी में ऐशो-आराम के किस्से सुनाएं? या इसलिए कि हमारी तकलीफ़ों को कम करें? चुघ ने कहा, "आपदा की घड़ी में ऐशो-आराम की यादें करने वाले नेता, दरअसल पंजाब की बर्बादी के सबसे बड़े गुनहगार हैं.

गुजरात के कई जिलों में मूसलाधार बारिश

साबरकांठा में सोसाइटी के बाहर खड़ी कारें डूबीं

राष्ट्रबाण

साबरकांठा. गुजरात के साबरकांठा जिले के कई हिस्सों में शनिवार सुबह मूसलाधार बारिश हुई. जिससे सड़कें जलमग्न हो गईं. बारिश के चलते लोगों का सामान्य जीवन भी अस्त-व्यस्त हो गया. आलम यह है कि हिम्मतनगर में बारिश से निचले इलाकों में पानी भर गया. वहीं बारिश के चलते यहां स्थित पुष्पकुंज सोसाइटी में डेढ़ करोड़ से ज़्यादा वाहन पानी में डूब गए. हालांकि, स्थानीय लोगों की तरफ से नगरपालिका को सूचित किया गया. लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी रोष है.

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पालिका की तरफ से लंबे समय से पानी की निकासी के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है. जिसके चलते शनिवार को सुबह दो इंच बारिश के पानी से पूरा इलाका डूब गया. पानी भरने की वजह से स्थानीय लोगों को काफी नुकसान हुआ है. लोगों द्वारा बार-बार नगरपालिका सहित प्रशासन को इस बारे में सूचित किया गया. लेकिन अभी तक उनकी मदद नहीं की गई.

आसपास ऊंचाई होने के कारण नहीं निकल पाता है पानी : स्थानीय लोगों का कहना है कि आसपास का क्षेत्र ऊंचा होने के कारण पानी नहीं निकल पाता है. जिसके चलते स्थानीय लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. यदि आने वाले समय में भी ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो निश्चित है कि स्थानीय लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा.

भारी बारिश के चलते महिला की मौत

साबरकांठा के हिम्मतनगर के गंभोई इलाके में शुक्रवार शाम को भी भारी बारिश हुई. जिससे हिम्मतनगर के हिम्मतपुर की गीता मकवाना नाम की एक महिला की मौत हो गई. वहीं, मानपुर के पास हिम्मत-नगर और भिलोदा के बीच बना एक डायवर्जन बह गया. जिससे 17 यात्रियों का संपर्क टूट गया. मौके पर पहुंचे बचावकर्मियों ने सभी को सुरक्षित किनारे पहुंचाया.

नीट यूजी में फर्जी एडमिशन का पर्दाफाश

फेक प्रमाण पत्र लगाकर लिए एडमिशन

राष्ट्रबाण

लखनऊ. लखनऊ में नीट यूजी 2025 में फर्जी प्रमाण पत्र के जरिए एडमिशन दिलाने का मामला सामने आया है. बताया जाता है कि यहां स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित का फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर 71 अभ्यर्थियों को एडमिशन दिलाया गया. प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में राज्य कोटे के तहत नीट यूजी की 4442 सीट हैं. ऐसे में 2 फीसदी आरक्षण के तहत 88 सीट स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित के लिए थी. 79 सीट ऑनलाइन काउंसलिंग के जरिए आवंटित की गई. जिनमें 71 अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया.

फर्जी प्रमाण पत्र वाले अभ्यर्थियों का एडमिशन कैंसिल: जांच के बाद चिकित्सा शिक्षा निदेशालय के काउंसलिंग बोर्ड ने फर्जी प्रमाण पत्र वाले अभ्यर्थियों का एडमिशन कैंसल कर दिया है. डीजीएमई किंजल सिंह ने फर्जी प्रमाण पत्र लगाने वाले अभ्यर्थियों पर एफआईआर दर्ज करने के भी आदेश दिए हैं.

इस जिले में मिले इतने फर्जी प्रमाण पत्र

प्रवेश प्रक्रिया के दौरान फिरोजाबाद के मेडिकल कॉलेज में एक अभ्यर्थी के फर्जी प्रमाण पत्र लगाने की आशंका हुई. जिसके बाद आगरा के डीएम से जांच कराई गई. 21 अगस्त को डीएम आगरा ने प्रमाण पत्र फर्जी होने की रिपोर्ट भेज दी. मामला पकड़ में आने के बाद अन्य मेडिकल कॉलेज में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित का प्रमाण पत्र लगाने वाले अभ्यर्थियों की जांच की गई. जिसके बाद आगरा, गाजीपुर, बलिया, भदोही, मेरठ, सहारनपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गाजियाबाद और बुलंदशहर के डीएम से जारी किए गए प्रमाण पत्र की रिपोर्ट मांगी गई. इन जिलों से आई रिपोर्ट में 64 प्रमाण पत्र फर्जी मिले. जांच में पता चला सबसे ज्यादा 15 प्रमाण पत्र मेरठ से जारी हुए. जबकि सहारनपुर और बलिया से 12/ 12 प्रमाण पत्र, भदोही गाजीपुर से 9/9, वाराणसी से तीन, गाजियाबाद से दो, आगरा और बुलंदशहर से एक-एक प्रमाण पत्र फर्जी जारी किया गया.

राजनीति

वोटर अधिकार यात्रा में पहुंचे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव

'अवध की जनता ने BJP को हटाया, मगध के लोग भी हटाएंगे'

राष्ट्रबाण

सारण/सिवान. बिहार में आज 'वोटर अधिकार यात्रा' का आखिरी दिन है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की 16 दिन लंबी इस यात्रा में शामिल होने के लिए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी पहुंच गए हैं. शनिवार को यात्रा की शुरुआत सारण से हो रही है और अंतिम पड़ाव आरा में होगा. इस दौरान अखिलेश यादव ने बीजेपी और चुनाव आयोग पर तीखे हमले बोले.

अखिलेश यादव ने कहा, अवध की जनता ने बीजेपी को हटाया है, अब मगध के लोग भी बीजेपी को हटाएंगे. बीजेपी का पलायन होगा. यह SIR धोखे देने की बात है, यह सिरफिरा फैसला है. आयोग का इस समय फैसला लेने का मतलब है कि वोट चोरी के साथ डकैती की तैयारी थी. उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और बिहार की जनता को मैं बधाई देना चाहता हूं कि वे अपने वोट के अधिकार की लड़ाई लड़ रहे हैं. बीजेपी बिहार से बाहर होगी और यह पलायन निश्चित है. बेरोजगार अब पलायन नहीं करेंगे, बल्कि उन्हें यहीं रोजगार मिलेगा. तेजस्वी यादव ने जो नौकरियां दी थीं, जनता को आज भी याद है.

'वोट चोरी ही सबसे बड़ा अपमान'

इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा था, बीजेपी सभी का अपमान करती है. क्या जनता के वोट चोरी करना अपमान नहीं है? बीजेपी को अमेरिका के राष्ट्रपति से नाराज होना चाहिए.

'चुनाव आयोग अब जुगाड़ आयोग बन गया': शुक्रवार को पटना एयरपोर्ट पर अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग को निशाने पर लिया था. उन्होंने कहा था, अब चुनाव आयोग जुगाड़ आयोग बन गया है. जनता अब बीजेपी को बिहार से बाहर करेगी. बीजेपी लोगों को इस्तेमाल करने के बाद बर्बाद कर देती है.

'बीजेपी डर गई है': आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, आज वोटर अधिकार यात्रा का आखिरी दिन है और अखिलेश यादव भी हमारे साथ जुड़े हैं. बीजेपी इस ऐतिहासिक यात्रा से डर गई है. इसी वजह से एनडीए बेचैन है. वे चाहे जितनी कोशिश कर लें, बिहार में अब उनकी वापसी नहीं होगी. कांग्रेस और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच पटना में हुई झड़प पर भी तेजस्वी ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, ये लोग शुरू से हिंसक रहे हैं. ये कायर हैं.

'एकजुट होकर बीजेपी को घेरने का प्लान'

16 दिन की इस यात्रा के दौरान 1300 किलोमीटर का सफर तय किया गया. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पहले ही यात्रा में शामिल होकर सत्ता पक्ष के खिलाफ बिगुल बजा चुके हैं. अब अखिलेश यादव की मौजूदगी ने विपक्षी एकजुटता का और बड़ा संदेश दिया है. सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने कहा, यह इलाका यूपी से सटा है. देवरिया, कुशीनगर, बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ जैसे जिले लगे हुए हैं. यहां रिश्तेदारियां भी हैं, इसलिए इस यात्रा का असर यूपी तक दिखाई देगा. साफ है कि 'वोटर अधिकार यात्रा' के आखिरी दिन अखिलेश की मौजूदगी ने विपक्षी एकता को और मजबूती दी है. विपक्ष इस यात्रा को बिहार से लेकर पूरे देश में बीजेपी के खिलाफ माहौल बनाने के मंच के रूप में देख रहा है.

ट्रंप कहां हो गए लापता?

खराब स्वास्थ्य की चर्चाओं के बीच गायब होने से मचा ह्वाइट हाउस में हड़कंप

राष्ट्रबाण

वाशिंगन. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गायब होने की खबर ने हड़कंप मचा दिया है. पिछले कई दिनों से उनका स्वास्थ्य खराब होने की चर्चाएं थीं. इस बीच उनके लापता होने की खबरों ने ह्वाइट हाउस से लेकर पूरे अमेरिका में हड़कंप मचा दिया है.

कहां गए ट्रंप?

पिछले कई दिनों से डोनाल्ड ट्रंप की सार्वजनिक उपस्थिति नहीं देखी गई है. ऐसे में उनकी अनुपस्थिति को लेकर सवाल उठने लगे हैं. ऑनलाइन चर्चाओं में यह दावा किया जा रहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति 'सार्वजनिक दृश्य से गायब' हो गए हैं. हालांकि, यह अटकलें ज़्यादातर गुमनाम सोशल मीडिया अकाउंट्स द्वारा फैलाई जा रही हैं. व्हाइट हाउस ने इस मामले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है.

जेडी वेंस ने कहा था राष्ट्रपति पद संभालने को हैं तैयार: डोनाल्ड ट्रंप के नदारद होने से इसलिए भी हलचल मच गई है कि अभी 1 दिन पहले ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक इंटरव्यू में सार्वजनिक रूप से यह कहा था कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कोई ट्रेजडी होती है तो वह अगले राष्ट्रपति का पद संभालने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. जेडी वेंस ने कहा था कि उन्हें इसके लिए बकायदे प्रशिक्षण भी मिला है. हालांकि वेंस ने यह भी जोड़ा था कि फिलहाल ट्रंप के साथ ऐसा कुछ होने नहीं जा रहा है, वह अभी स्वस्थ हैं और अपना कार्यकाल पूरा करेंगे. मगर फिर भी कोई अपरिहार्य परिस्थिति बनती है तो वह राष्ट्रपति का दायित्व निभाने से पीछे नहीं हटेंगे.

अगले 2 दिन तक उनका कोई कार्यक्रम नहीं

डोनाल्ड ट्रंप पिछले कई दिनों से सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे हैं. जबकि आमतौर पर वह मीडिया में कुछ न कुछ बयान देते रहते हैं, लेकिन करीब 2 दिनों से वह पूरी तरह नदारद हैं. दावा किया जा रहा है कि अगले 2 दिनों तक यानि आज 30 और 31 अगस्त तक उनका कोई कार्यक्रम भी नहीं है, जिसमें उनकी मौजूदगी का उल्लेख हो. अभी उनका कोई भी सार्वजनिक आयोजन सूचीबद्ध नहीं है. इससे अटकलों को और बल मिला है.

जिस 6 एकड़ जमीन पर कब्जा, उसकी कीमत 20 करोड़

3 मंजिला स्कूल बिल्डिंग भी जद में; भोपाल के मछली परिवार की दखल की पड़ताल शुरू

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल के अनंतपुरा कोकता में पशुपालन विभाग की 65 में से करीब 6 एकड़ जमीन में कब्जा साबित हो गया है। इस जमीन की मौजूदा बाजार कीमत 20 करोड़ रुपए से अधिक है। वहीं, इस पर अभी करोड़ों रुपए का स्ट्रक्चर खड़ा है। एक मीडिल स्कूल की 3 मंजिला बिल्डिंग भी कब्जे की जद में है। जिस पर मछली परिवार के दखल की पड़ताल भी शुरू हो गई है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, डायमंड सिटी में 3 मंजिला स्कूल बिल्डिंग है, जो डेढ़ से दो हजार स्क्वायर फीट जमीन पर बनी है। अफसरों को आशंका है कि इस स्कूल बिल्डिंग पर मछली परिवार का सीधे तौर पर नहीं, पर दखल जरूर है। इसलिए बिल्डिंग से जुड़ी सभी जांच की जा रही है। हालांकि, मछली परिवार से जुड़े वकील पहले ही गोविंदपुरा एसडीएम को लिखित में दे चुके हैं कि उनकी सीमांकन कार्रवाई में अनपात्ति है।

मछली परिवार का यह तर्क

शावेज अहमद की ओर से वकील विशेष नामदेव ने एसडीएम को आवेदन दिया कि मेरे या मेरे परिजनों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खसरा नंबर- 43, 44, 49/19, 50/21, 51/8, 54/43, 55/44, 57/43, 58/8, 60/36, 79/3 पर कभी कोई स्वामित्वाधिकार, कब्जा या अतिक्रमण नहीं रहा है और न ही वर्तमान में है। यदि किसी कारणवश मेरे या परिवार के विरुद्ध उक्त भूमि संबंधित कब्जे या अतिक्रमण का संदेह, अभियोग प्रस्तुत किया गया है तो वह पूर्णतः असत्य, निराधार और विधिक दृष्टि से अवैध है। इस जमीन के सीमांकन, जांच या किसी भी प्रकार की वैधानिक कार्रवाई में मेरी या परिवार की वैधानिक कार्रवाई में कोई आपत्ति नहीं है। गोविंदपुरा एसडीएम रवीशकुमार श्रीवास्तव के अनुसार, सीमांकन करने के बाद अब रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जो जल्द ही वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

इसलिए किया गया सीमांकन

34 साल बाद पशुपालन विभाग को सीमांकन के पीछे भोपाल के मछली परिवार पर हुई कार्रवाई है। ड्रग्स और रेप केस के मामले में इस परिवार के दो सदस्य जेल में बंद है, जबकि अन्य पर भी कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद 30 जुलाई और फिर 21 अगस्त को जिला प्रशासन ने दो बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 बड़े अवैध निर्माण जमींदोज कर दिए। ये सभी सरकारी जमीन पर बनाए जाना सामने आए। इस जमीन की कीमत सवा सौ करोड़ रुपए आंकी गई। इसी बीच पशुपालन विभाग ने गोविंदपुरा एसडीएम श्रीवास्तव और तहसीलदार वर्मा को एक आवेदन दिया, जिसमें कहा गया कि उनकी जमीन पर भी कब्जा हो सकता है। इसलिए सीमांकन किया जाए। प्रशासन ने पड़ताल की तो कब्जे की बात सही निकली। इसके बाद मछली परिवार समेत 20 लोगों को नोटिस दिए गए। इन्हें भी सीमांकन के दौरान मौजूद रहने को कहा गया था।

तीन दिन तक सीमांकन, यह कब्जा सामने आया

जानकारी के अनुसार, पशुपालन विभाग की 65 एकड़ जमीन का तीन दिन का सीमांकन किया गया। इसमें करीब 40 बिल्डिंग, प्लाट, 30 दुकानें, एक पेट्रोल पंप, एक स्कूल समेत दो-तीन कॉलोनियों के भी कब्जे मिले हैं।

रिपोर्ट तैयार करने में जुटा प्रशासन

शुक्रवार को सीमांकन कार्य पूरा होने के बाद शनिवार को पटवारियों की टीम विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने में जुटी है। किस रकबे में किसका और कितना कब्जा है? ये रिपोर्ट में बताया जाएगा। यह रिपोर्ट एसडीएम श्रीवास्तव के पास पहुंचेगी। फिर सोमवार को कलेक्टर सिंह के सामने रखी जाएगी। इसके बाद चिंह्नित कब्जाधारियों को पशुपालन विभाग से नोटिस भेजे जाएंगे। यदि कब्जाधारी जमीन खाली नहीं करते हैं तो प्रशासन तोड़ने की कार्रवाई करेगा।

स्कूल संचालक बोले- मछली परिवार से हमारा लेन-देन नहीं

इस मामले में स्कूल के संचालक अमिताभ वर्मा ने बताया कि हमने स्कूल के लिए 2400 स्क्वायर फीट जमीन दिसंबर 2021 में सिद्धार्थ सिन्हा ने खरीदी थी। जब इस जमीन के बारे में जानकारी जुटाई गई तो यह सही बताई गई थी। इसके बाद हमने एसडीएम ऑफिस से नामांकन कराया। सभी अनुमति लेने के बाद ही बिल्डिंग बनाई और स्कूल संचालित करना शुरू किया। स्कूल को लेकर भी जिला शिक्षा विभाग से सभी अनुमति और मान्यता प्राप्त की गई। हाल ही में हुए सीमांकन में हमारे स्कूल की बिल्डिंग को भी पशुपालन विभाग की जमीन में होना बताया जा रहा है। यह हैरान करने वाला है, क्योंकि हमने तो बिल्डर से जमीन खरीदी और फिर रजिस्ट्री कर सभी अनुमतियां ली गई थीं। इस बारे में बिल्डर सिन्हा से पूछा तो उन्होंने बताया कि नक्शा अपडेट नहीं होने की वजह से उनकी 1.85 एकड़ जमीन सरकारी रिकॉर्ड में बताई जा रही है। इसके लिए आवेदन एसडीएम ऑफिस में लगाया है। स्कूल संचालक वर्मा का कहना है कि हम मछली परिवार को नहीं जानते। किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं है।

स्कूल संचालक के घर चोरी करने वाली महिलाओं के वीडियो वायरल

2 दिन पहले घर के काम के लिए हायर किया था; पुलिस वैरिफिकेशन के बगैर दी थी नौकरी

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल के गौतम नगर में साढ़े चार लाख की नकदी सहित तीस लाख रुपए के जेवरात चोरी करने वाली महिलाओं के सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। महिलाओं ने शुक्रवार सुबह स्कूल संचालक के घर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी महिलाओं की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। पुलिस की जांच में साफ हुआ कि फरियादी ने बिना किसी वैरिफिकेशन के महिलाओं को घर के काम के लिए रख लिया था। नौकरी मिलने के महज दो दिन बाद ही आरोपी महिलाओं ने चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया। फुटेज के आधार पर पुलिस उनकी तलाश कर रही है। फरियादी राजकुमार शिवनानी (45), निवासी संत कुवर राम कॉलोनी डीआईजी बंगला में रहते हैं। टीला जमालपुरा इलाके में वे सनशाइन पब्लिक स्कूल का संचालन करते हैं। इसी स्कूल में उनकी पत्नी प्रिंसिपल हैं। उन्होंने दो दिन पहले बुधवार को ही नीलम और पूनम नाम की दो महिलाओं को घरेलू काम के लिए रखा था।

वारदात के समय स्कूल गए हुए थे

शुक्रवार सुबह राजकुमार स्कूल चले गए थे, उस समय घर पर उनकी 85 वर्षीय मां अकेली थीं। इसी दौरान एक नौकरानी ने बुजुर्ग महिला को बातचीत में उलझाए रखा, जबकि दूसरी नौकरानी ने अलमारी में रखे पांच लाख रुपए नकद और करीब 30 लाख रुपए के सोने के जेवरात निकाल लिए।

घर लौटने के बाद चोरी का पता लगा

वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों मौका पाकर घर से फरार हो गईं। शाम को स्कूल से लौटे राजकुमार को चोरी की जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जांच में सामने आया कि आरोपियों की गतिविधियां सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई हैं। पुलिस ने फुटेज के आधार पर उनकी पहचान शुरू कर दी है और दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

फरियादी बोले- बिना वेरिफिकेशन नौकरानी रखना भारी पड़ा

फरियादी राजकुमार ने स्वीकार किया कि नौकरानियों को काम पर रखने से पहले उनकी कोई तहकीकात नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि यह हमारी भी गलती रही कि बिना जांच-पड़ताल के दोनों को घर में रख लिया। दोनों महिलाओं तीन दिन पहले कॉलोनी में काम की तलाश में भटक रही थीं। तब कॉलोनी के तीन परिवारों ने उन्हें बिना किसी वेरिफिकेशन के काम पर रख लिया।

भोपाल के बागमुगालिया में बच्चे पर कुत्तों का अटैक

भोपाल। भोपाल के बागमुगालिया में एक 10 साल के बच्चे पर दो स्ट्रीट डॉग्स ने हमला कर दिया। इससे बच्चा बुरी तरह से जख्मी हो गया। कुत्तों ने उसे पैरों में काटा। कुत्तों के हमले से घबराए बच्चे को चौकीदार ने बचाया। घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है। बागमुगालिया कटारा हिल्स स्थित पेबल बे फेस-1 में दो आवारा कुत्तों ने बच्चे पर हमला किया। बच्चे घर के बाहर खेल रहा था। तभी दो डॉग्स दौड़ते हुए आए और हमला कर दिया। पैरों में काटने से बच्चा जख्मी हो गया। चौकीदार ने कुत्तों को भगाया। स्थानीय लोगों के अनुसार, नगर निगम की टीम कई बार इन कुत्तों को पकड़ने आती है, लेकिन वहां मौजूद कुछ डॉग लवर्स इन कुत्तों को पकड़ने नहीं देते।

भोपाल के हमीदिया में पहली बार बेरियाट्रिक सर्जरी

पेट किया छोटा, जिससे वजन कम हो; महिला का बीएमआई 42 और छोटी आंत हर्निया में फंसी थी

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में पहली बार बेरियाट्रिक सर्जरी की गई। जिसके जरिए मोर्बिड ओबेसिटी और हार्निया से जुड़े गंभीर रोग से पीड़ित महिला का जीवन बचाया जा सका। डॉक्टरों के अनुसार, महिला मोर्बिड ओबेसिटी यानी अत्यधिक मोटापे से जूझ रही थी। उसका बीएमआई 42 था। इसके अलावा यह उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि मरीज को न केवल जानलेवा हर्निया था। इसके अलावा उसका वजन और मोटापा ऑपरेशन को और भी चुनौतीपूर्ण बना रहा था।

पेट किया छोटा, जिससे वजन कम हो

वरिष्ठ सर्जन डॉ. समीर शुक्ला ने बताया कि महिला की जान बचाने के लिए स्लीव गेस्ट्रोक्टॉमी के साथ आईपीओएम प्लस मेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। यह तकनीक हमीदिया अस्पताल में पहली बार अपनाई गई। इसमें पेट का कुछ हिस्सा छोटा किया गया ताकि मरीज का वजन कम हो और साथ ही मेष (जाली) लगाकर हर्निया की दीवार को मजबूत किया गया।

मोर्बिड ओबेसिटी क्या है?

जब बीएमआई 40 से ऊपर हो जाता है, तब इसे मोर्बिड ओबेसिटी कहते हैं। यह हार्ट अटैक, डायबिटीज और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ाती है। ऐसे में बेरियाट्रिक सर्जरी मोटापे के कारण होने वाली बीमारियों को कम करने का प्रभावी तरीका है। जिससे वजन घटाने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलती है।

छोटी आंत का बड़ा हिस्सा हर्निया में फंसा था

46 साल की महिला कई सालों से लम्बर हर्निया (कमर के पास का हर्निया) की समस्या से पीड़ित थीं। धीरे-धीरे यह बढ़कर उनके पेट के लगभग एक-तिहाई हिस्से तक फैल गया था। जांच में सामने आया कि उनका बॉडी मास इंडेक्स (ब्रस्ढ्ढ) 42 था और वजन 92 किलो। यह स्थिति मोर्बिड ओबेसिटी की श्रेणी में आती है, जिसमें शरीर पर अत्यधिक चर्बी जमा हो जाती है और यह कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। सीटी स्कैन में पता चला कि महिला का तानाका इंडेक्स 33त्न है, जिसका मतलब था कि उनकी छोटी आंत का बड़ा हिस्सा हर्निया में फंस चुका था। डॉक्टरों के मुताबिक, यह स्थिति किसी भी समय आंत ब्लॉकेज या आंत फटने जैसी जानलेवा दिक्कत पैदा कर सकती थी। इस ऑपरेशन में सर्जरी विभाग और एनेस्थीसिया विभाग की संयुक्त टीम ने अहम भूमिका निभाई। ऑपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया देना भी चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि मरीज का मोटापा और हर्निया दोनों मिलकर जटिल स्थिति पैदा कर रहे थे।

जिलेट रेजर पर एमआरपी से 19 रुपए अधिक वसूले

रिलायंस स्मार्ट स्टोर पर भोपाल उपभोक्ता आयोग का फैसला; अब चुकाने होंगे 4 हजार

भोपाल। राष्ट्रबाण

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग भोपाल ने रिलायंस रिटेल लिमिटेड और अयोध्या बायपास स्थित रिलायंस स्मार्ट स्टोर के खिलाफ ग्राहक की शिकायत पर अहम आदेश सुनाया है। आयोग ने कंपनी को निर्देश दिए हैं कि वह ग्राहक से वसूले गए 19 रुपए अधिक मूल्य को 9त्न वार्षिक ब्याज सहित लौटाए। इसके अलावा सेवा में कमी और मानसिक कष्ट के एवज में 3,000 रुपए और मुकदमा व्यय के रूप में 1,000 रुपए भी चुकाने होंगे। यह फैसला बैंच 1 के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल और सदस्य प्रतिभा पांडे ने 18 अगस्त को सुनाया। यह मामला उपभोक्ता हरीश गेहलोत का है, जिन्होंने 9 मई 2024 को रिलायंस स्मार्ट स्टोर से जिलेट प्रेस्टो-3 का एक पैकेट खरीदा था। इसके लिए उन्होंने 169 रुपए अदा किए, जबकि पैकेट पर अधिकतम खुदरा मूल्य केवल 150 रुपए अंकित था। इस तरह 19 रुपए ज्यादा वसूले गए। यही नहीं, गेहलोत का आरोप था कि बिल पर जीएसटी की राशि भी 25.82 रुपए अधिक ली गई। इस शिकायत के साथ उन्होंने स्टोर पर अनुचित व्यापार प्रथा अपनाने का गंभीर आरोप लगाया। गेहलोत ने आयोग से आर्थिक, शारीरिक और मानसिक क्षति के लिए कुल 49 लाख रुपए हर्जाने और 75 हजार रुपए परिवाद व्यय दिलाने की मांग की थी।

विपक्षी की दलीलें

कंपनी ने आयोग को बताया कि संबंधित जिलेट प्रेस्टो पैक बिक्री के लिए स्टोर में उपलब्ध ही नहीं था। सिस्टम में उसकी कीमत अपडेट न होने के कारण यह स्थिति बनी। स्टोर प्रबंधन का कहना था कि ग्राहक को साफ तौर पर बता दिया गया था कि यह प्रोडक्ट विक्रय हेतु नहीं है और गलती से बिलिंग हो गई। उन्हें विकल्प दिया गया था कि या तो वे समान मूल्य का दूसरा उत्पाद ले लें या फिर पैसा वापस कर दिया जाएगा। कंपनी ने यह भी आरोप लगाया कि परिवादी ने स्टोर के कर्मचारियों और मैनेजर से अभद्र व्यवहार किया।

आयोग ने खारिज की कंपनी की दलील

आयोग ने रिलायंस स्मार्ट स्टोर की इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि यदि कोई उत्पाद बिक्री हेतु नहीं है तो उसे ग्राहकों की पहुंच में क्यों रखा गया? स्टोर की यह लापरवाही साबित करती है कि ग्राहक से ज्यादा वसूली की गई और अनुचित व्यापार प्रथा अपनाई गई। आयोग ने माना कि उपभोक्ता को नुकसान हुआ है और मानसिक कष्ट भी झेलना पड़ा है।

भोपाल में टीआई ने बुजुर्ग- युवक को पीटा, लातें मारी

कहा- आवारा तत्वों को खदेड़ा, कानून व्यवस्था बनाने के लिए ऐसा करना पड़ा

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल के मंगलवारा इलाके में टीआई अजय कुमार सोनी और उनकी टीम ने एक बुजुर्ग गुमठी संचालक को थप्पड़ मारे। उसकी दुकान का सामान गिरा दिया। टीआई ने इस दौरान बुजुर्ग और वहां खड़े युवक को लातें भी मारी। घटना शुक्रवार रात को आजाद मार्केट वाइन शॉप के सामने की है। पुलिस ने गुमठी के आसपास खड़े लोगों को भी खदेड़ा। टीआई का बुजुर्ग और युवक को पीटते हुए वीडियो भी सामने आया है। टीआई अजय कुमार सोनी ने बताया कि शुक्रवार रात को टीम के साथ क्षेत्र भ्रमण के लिए निकला था। वाइन शॉप के सामने हम्माल सहित अन्य असामाजिक तत्व बैठते हैं। जहां से लगातार शिकायतें मिल रही हैं। इस दौरान असामाजिक तत्वों को समझाइश भी दी और खदेड़ा भी है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जो उचित कदम होते हैं, उठाए जाते हैं। वाइन शॉप के बेहद करीब गणेश पंडाल है, ऐसे में यहां असामाजिक तत्वों के जमावड़े के कारण कभी भी लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बन सकती है।

जबरन गुमठी बंद कराकर लौट गई पुलिस

स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में वाइन शॉप के कारण लोगों का जमावड़ा रहता है। आए दिन विवाद होते हैं, लेकिन पुलिस बुजुर्ग गुमठी वाले को पीटकर और उसकी गुमठी को बंद कराकर चली गई।

युवक को भी टीआई ने लातें मारी

वाइन शॉप के ठीक सामने बुजुर्ग बीते करीब बीस सालों से पान मसाले की गुमठी चलाते हैं। इसी बुजुर्ग को टीआई लात मारते और लात मारकर गुमठी का सामान फेंकते दिख रहे हैं। उनके साथ मौजूद पुलिसकर्मी आस पास के लोगों को खदेड़ने के साथ पीट रहे हैं। गुमठी के पास खड़े एक बैग टांगे युवक को भी टीआई ने तीन लात मारीं।

मंत्री सारंग बोले- खेलों को बढ़ावा देना जरूरी, पूर्व क्रिकेटर मदनलाल ने कहा- खुद से मुकाबला करें

राष्ट्रीय खेल दिवस पर भोपाल में सेमिनार

भोपाल। राष्ट्रबाण

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती पर राजधानी भोपाल के नर्मदा भवन में राष्ट्रीय खेल दिवस के अंतर्गत खेल विषयक सेमिनार का आयोजन हुआ। इस अवसर पर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा ÷जीत से आती है असली चमक और अनुशासन ही खिलाड़ी की सबसे बड़ी पूंजी है।

जीत से बनती है खिलाड़ियों की पहचान

मंत्री सारंग ने कहा कि क्रिकेट से इतर अन्य खेलों को भी बढ़ावा देना जरूरी है। खेल केवल ग्लैमर का पर्याय नहीं बल्कि मेहनत और जीत से खिलाड़ियों की असली पहचान बनती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर फिटनेस अब राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बन चुका है और खेलों से ही राष्ट्र की आत्मा स्वस्थ रह सकती है। मंत्री सारंग ने अभिभावकों की बदलती मानसिकता का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले खेलों में करियर असंभव माना जाता था, लेकिन आज खिलाड़ी न केवल मैदान पर बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में मनोविज्ञान- डॉ संजना किरन (हाइपरफ़ॉर्मन्स स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट) का भी एक सेशन आयोजित किया गया।

पूर्व क्रिकेटर बोले- खेलों को बढ़ावा मिलना खुशी की बात

विशेष सत्र में पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदनलाल शर्मा ने खिलाड़ियों को समय प्रबंधन और अनुशासन का मंत्र दिया। उन्होंने कहा हर खिलाड़ी को पछताना नहीं चाहिए कि समय का बेहतर उपयोग नहीं किया। सफलता का रहस्य सकारात्मक रवैया और मेहनत है। मदनलाल ने 'खेलो इंडिया' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल युवाओं की प्रतिभा निखारने और नए अवसर देने का सशक्त माध्यम है। मदनलाल ने कहा कि खिलाड़ियों को यह पछतावा कभी नहीं होना चाहिए कि काश समय का सही उपयोग किया होता। मैं भी सोचता हूं कि अगर मैंने समय का और बेहतर इस्तेमाल किया होता तो और आगे बढ़ सकता था। इसलिए हर खिलाड़ी को अपने समय का महत्व समझना चाहिए और रवैये को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भोपाल में खेलों को बढ़ावा मिलना खुशी की बात है। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि फ्अच्छा खेलना ही आपका पहला कर्तव्य है। आप सभी योग्य हैं, तभी यहां तक पहुंचे हैं। एक अच्छा कोच हमेशा खिलाड़ी को परखता है और यही प्रक्रिया उसे पेशेवर बनाती है। मदनलाल ने कहा कि फ्दूसरों से तुलना मत कीजिए, खुद से प्रतिस्पर्धा कीजिए। यदि कोई कमी है तो खुद को दोष दीजिए। आखिरकार मायने यही रखता है कि कौन मैदान में प्रदर्शन करता है। मेहनती और अनुशासित खिलाड़ी ही अंततः चैंपियन बनते हैं।

डॉ. नागर बोले- करियर को खतरे में डाल सकती है छोटी सी इंजरी

सेमिनार के दौरान प्रसिद्ध स्पोर्ट्स सर्जन डॉ. मनोज नागर ने खेल चोटों को लेकर महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ी अक्सर इंजरी की गंभीरता को नहीं समझते और जल्दबाजी में मैदान पर लौट आते हैं, जो करियर को खतरे में डाल सकता है। डॉ. नागर ने बताया कि इंजरी की पहचान सबसे पहले कोच को करनी चाहिए। हर चोट को भरने में समय लगता है, जब तक पूरी तरह हीलिंग न हो, खिलाड़ी को मैदान पर नहीं लौटना चाहिए।

संपादकीय

जापान-चीन के साथ भारत की नई कूटनीति

नई भू-राजनीतिक परिस्थितियों में उथल-पुथल के बीच अमेरिका जैसा देश जहां अपने हित में अन्य देशों पर मनमाने फैसले थोपने की कोशिश में है, तो स्वाभाविक ही भारत के सामने भी अपना हित कायम रखने की चुनौती खड़ी हुई है. यही वजह है कि पिछले कुछ समय से अलग-अलग देशों पर शुल्क लगा कर व्यापार नीति को प्रभावित करने की अमेरिकी कोशिश के समांतर भारत ने अपने लिए वैकल्पिक रास्ते तैयार करना शुरू कर दिया है.

इस क्रम में रूस और चीन से नए सिरे से संवाद कायम करने और विवादित मसलों को सुलझा कर संबंधों के नए आयाम पर विचार करने के लिए भारत ने कूटनीति के मोर्चे पर जो रुख अपनाया है, उसे इसी संदर्भ में देखा जा सकता है. पिछले दिनों भारत ने रूस सहित अन्य कुछ देशों में कूटनीतिक पहल के जरिए यह संदेश दिया है कि अमेरिका से संवाद के रास्ते भले ही खुले हैं, लेकिन उसके रवैये का सामना करने के लिए भारत तैयार है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान और चीन की यात्रा को भी दरअसल नए विकल्प खोजने की कोशिश की एक कड़ी के तौर पर देखा जा सकता है. अपनी जापान यात्रा के बाद प्रधानमंत्री मोदी चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे. दरअसल, अमेरिका की ओर से शुल्क से संबंधित नई नीति थोपने और इस संबंध में भारत के तर्कों को खारिज करने के बाद अब स्थिति यही है कि भारत इसका सामना करने के लिए नए विकल्प तैयार करे. इस लिहाज से देखें तो जापान और चीन भी उन देशों की सूची में हैं, जिन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क कूटनीति की मार पड़ी है. इसके अलावा भी जो देश ट्रंप के इस रवैये के दायरे में आए हैं, उनके लिए यह समझना मुश्किल है कि अमेरिका के इस राह को अपनाने के क्या कारण हैं और इसके जरिए वह क्या हासिल करना चाहता है. अमेरिकी शुल्क नीति के लागू होने के बाद चीन और जापान ऐसे देश हैं, जिनका व्यापार भी भारत की तरह ही प्रभावित हो सकता है. मगर यह स्थिति तभी ज्यादा बिगड़ती है, जब निर्यात के लिए मुख्य रूप से किसी एक देश पर निर्भरता हो. यही वजह है कि पच्चीस से लेकर पचास फीसद तक शुल्क थोपे जाने के बाद इससे प्रभावित होने वाले सभी देशों के सामने नई स्थिति से निपटने के लिए नए उपायों पर विचार जरूरी हो गया है. प्रधानमंत्री मोदी की जापान और चीन यात्रा को इसी कूटनीति को साधने की कोशिश के तौर पर देखा जा सकता है.

निश्चित रूप से पिछले कुछ वर्षों से चीन के साथ भारत के जैसे संबंध रहे हैं, उसमें हर स्तर पर सतर्कता बरतने की जरूरत होगी. यह छिपा नहीं है कि सीमा पर तनाव से लेकर गलवान में टकराव तक और फिर अरुणाचल प्रदेश में नाहक विवाद खड़ा करके चीन भी सैन्य मोर्चे पर अपनी मनमानी चलाना चाहता है. मगर अब अमेरिकी शुल्क नीति की जद में आने के बाद उसके लिए भी आर्थिक मोर्चे पर नए हालात से निपटना एक चुनौती है.

सतह पर आते इतिहास में गुम नायक

पिछले दिनों असम के मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी के एक फ्लाईओवर को राजा पृथु के नाम समर्पित किया. इसके साथ ही 13वीं सदी के कामरूप (आज के असम) के राजा पृथु के बारे में लोगों की जिज्ञासा बढ़ी. इसलिए और बढ़ी, क्योंकि इतिहास में वे गुम से हैं और व्यापक राष्ट्रीय समाज के लिए अनजान. पृथु का पूरा नाम विश्वसुंदरदेव था. वे कामरूप यानी आज के असम के महानतम शासकों में से एक थे. उन्होंने 1185 से 1228 तक शासन किया.

उन्होंने अपने शासनकाल में दो आक्रांताओं- बख्तियार खिलजी और नसीरुद्दीन से लोहा लिया. नालंदा को नष्ट करने वाले खिलजी को तो उन्होंने बुरी तरह पस्त किया था. राजा पृथु जैसे न जाने कितने नायकों ने अपनी ही संततियों के समक्ष पहचान का संकट झेला. उनका विस्मरण कुछ ऐसा ही है जैसे सालार मसूद गाजी जैसे उत्पीड़क को मजार और नेजा मेले की शोहरत हासिल हो और उसके त्राण से मुक्ति दिलाने वाले राजा सुहेलदेव को शोध में तलाशने की कोशिश हो रही हो. ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि इतिहास का निरूपण सदैव विजेताओं द्वारा किया जाता आया है. होना यह चाहिए था कि स्वतंत्रता के बाद भारतीय इतिहासकार अपना इतिहास अपनी दृष्टि से लिखते, लेकिन भारत में पहले इस्लामिक आक्रांताओं, यूरोपीय गौरांग महाप्रभुओं के पश्चात

वामपंथियों ने इतिहास लेखन में छल किया. कथित सामासिक संस्कृति के आवरण में वामपंथी इतिहासकारों ने भारतीय इतिहास के संदर्भ और संदर्श तक दूषित कर दिए. साहित्य के नोबेल से सम्मानित सोवियत लेखक मिखाइल शोलोखोव अपने उपन्यास 'एंड क्वाइट फ्लोज द डान' में एक कज्जाक गीत का उल्लेख करते हैं, 'हमारी धरती पर हलों की लीकें नहीं हैं.रहमारी धरती पर घोड़ों की टापों के निशान हैं और उसमें बीज नहीं, कज्जाकों के शीश बोए जाते हैं.' शोलोखोव जैसी व्यथा भारत के लोगों की भी है. आक्रांताओं के घोड़ों की टापों ने उनका वैभव नष्ट किया और उनकी संस्कृति उजाड़ने का प्रयास किया. 1947 के बाद प्राप्त स्वशासन में भी यह बौद्धिक बेईमानी विद्यमान रही. वर्तमान में इतिहास का वास्तविक निरूपण राष्ट्रीय विचारों एवं सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप किए जाने का प्रयास किया जा रहा है. इसकी एक बानगी एनसीईआरटी की किताबों में दिख रही है. इसकी जरूरत इसलिए है, क्योंकि ऐतिहासिक व्याख्याओं का आधार सांस्कृतिक मूल्यों की वैध मान्यताएं होती हैं. आज यदि हम लचित बरफुकन, सुहेलदेव, झलकारी बाई, दलदेव महाराज, महा-वीरादेवी भंगी, पन्नाधाय धानुक और अब राजा पृथु जैसे विस्मृत ऐतिहासिक नायकों के चरित्र से साक्षात्कार कर रहे हैं, तो यह भारतीय समाज के सांस्कृतिक जागरण में इतिहास बोध की चेतना के प्रसार का परिणाम है. विस्मृत हुए ये नायक भारत की चैतन्य राष्ट्रीयता का संबल हैं. वर्तमान में इतिहास को नए आयाम सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों ने भी दिया है. ऐसे सामाजिक आंदोलन नहीं होते तो हम उपरोक्त ऐतिहासिक नायक-नायिकाओं का नाम भी नहीं जानते. कुछ समय पहले लखनऊ में अवंती बाई लोधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिए भाजपा और सपा नेताओं के बीच जो होड़ दिखी, वह इतिहास-बोध की चैतन्यता ही प्रमाणित करती है, भले ही पृष्ठभूमि में राजनीतिक प्रेरणा हो.

यह इतिहास बनाने नहीं, उसे जीने का संदर्भ है. यदि इतिहास का सही संदर्भों में यथार्थ निरूपण न हो तो भावी पीढ़ियों को सर सैयद अहमद खान, इकबाल आदि के बारे में वही सब पढ़ने-सुनने को मिले, जो एक खास एजेंडे के तहत लिखा और प्रचारित किया गया. क्या यह किसी से छिपा है कि अलीगढ़ मूवमेंट पाकिस्तान के निर्माण का आधार बना? इतिहास का निर्धारण उचित मानकों पर हो और वह असत्य वाचन का कारक न बने. इतिहास का तो अर्थ ही है-ऐसा ही हुआ था.

संवाद के साथ सतर्कता भी आवश्यक

7 वर्षों के अंतराल के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर तक चीन के दौरे पर होंगे. वह जापान की यात्रा के बाद चीन पहुंचेंगे. सात वर्षों बाद उनका प्रमुख पड़ोसी देश चीन जाना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि दोनों देशों का रिश्ता कितना जटिल और समस्याओं से भरा है. कूटनीतिक दृष्टिकोण से मोदी की यात्रा द्विपक्षीय नहीं है, क्योंकि वे चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बहुपक्षीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने जा रहे हैं. इस सम्मेलन के दौरान वे अन्य शासनाध्यक्षों के साथ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से भी मिलेंगे और यह स्पष्ट ही है कि आपसी विषयों पर भी बातचीत करेंगे. भारत-चीन के लिए यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2020 से जारी तनाव से निकल नए सिरे से संबंधों में सुधार लाने के लिए दोनों शीर्ष नेताओं का मिलना आवश्यक है. चीन और भारत के संदर्भ में शीर्ष राजनीतिक स्तर की वार्ता से निकले संकेत हमेशा लाभदायक रहे हैं. 2017 में डोकलाम में दोनों देशों की सेनाओं के आमने-सामने होने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने विवादों को टकराव में बदलने से रोकने

के लिए शी के साथ वुहान में अनौप-चारिक राजनय के माध्यम से प्रयास किया था, पर अफसोस कि चीन ने तत्पश्चात फिर से आक्रामक रुख अपना लिया. 2020 में गलवान घाटी में हुई सैनिकों की मुठभेड़ में दोनों पक्षों को क्षति पहुंची थी. दोनों देशों ने भारी हथियारों से लैस होकर लगभग साठ हजार सैनिकों को सरहद पर युद्ध की तैयारी के हालात में तैनात कर दिया था. चीन की चाह एशिया में वर्चस्व और विश्व में अमेरिका के साथ बराबरी की हैसियत पाने की है. इसी कारण जब वह पड़ोसी देशों में कमजोरी या अनिश्चितता देखता है तो उस पर झपट पड़ने और उस पर दबाव बनाने को तत्पर हो जाता है. उसकी इस नीयत को समझकर ही मोदी सरकार ने गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प के बाद चीन के सामने सैन्य बल का प्रदर्शन किया और उसे स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया कि "सीमाओं की स्थिति समग्र संबंधों की स्थिति को परिभाषित करेगी." भारत का सख्त रुख देखकर चीन को पूर्वी लद्दाख से लगी सीमा के कुछ हिस्सों से अपने सैनिक हटाने पड़े, जहां उसने एकतरफा तरीके से जमीन हड़पने की कोशिश की थी.

भारत का अडिग रवैया देखकर ही आज चीन वापस रिश्तों में नरमाहट लाने की कोशिश में है. अक्टूबर 2024 से अब तक चीन ने न केवल अपने सैनिकों को विवादित क्षेत्रों से पीछे हटाया है, बल्कि सीमा पर शांति कायम करने के लिए नई व्यवस्थाओं को भी स्वीकारा है.

मोदी की असफल नीतियों का नतीजा

उ मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियां देश को भारी पड़ रही हैं. इसका सबसे बुरा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है. देश का राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है. सीजीए (लेखा महानियंत्रक) द्वारा जारी नए आंकड़े के अनुसार, 2025-26 के दौरान देश को 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का फटका राजकोषीय घाटे के रूप में लगेगा. इसका मतलब है कि सरकार के राजस्व आदम और होनेवाले खर्च में इतनी बड़ी राशि का अंतराल रहेगा. ऐसे में सरकार खर्च करने के लिए भारी मात्रा में कर्ज लेगी जिसका बोझ देश की आम जनता पर ही पड़ेगा. सरकार के खर्च और राजस्व के बीच भारी अंतर कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है. इस राजकोषीय घाटे के कारण अपने खर्चे को पूरा करने के लिए सरकार को ज्यादा कर्ज लेना पड़ता है. वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जुलाई अवधि में यह घाटा 4,68,416 करोड़ रुपए था. केंद्र का अनुमान है कि पूरे 2025-26 के दौरान राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत रहेगा. देश का राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जुलाई के अंत से पूरे वर्ष का 29.9 प्रतिशत हो गया. पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार महीनों में यह बजट अनुमान 17.2 प्रतिशत था. सीजीए की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के अंत तक घाटे का लक्ष्य 17.9 प्रतिशत था. इस तरह देखा जाए तो फिलहाल काफी बढ़ा हुआ नजर आ रहा है. आंकड़ों से पता चलता है कि सरकार को जुलाई 2025 से 10.95 लाख करोड़ रुपए (2025-26 का बजट अनुमान 31.3 प्रतिशत) प्राप्त हुआ. इस अवधि में केंद्र ने करों के हिस्सों के स्थानांतरण के रूप में राज्य संचयन को 4.28 लाख करोड़ रुपए बताया. केंद्र द्वारा कुल व्यय 15.63 लाख करोड़ रुपए था, जो 2025-26 के बजट अनुमान का 30.9 प्रतिशत है. इसमें 12.17 लाख करोड़ रुपए राजस्व व्यय में और 3.46 लाख करोड़ रुपए निवेश व्यय में खर्च किए गए. रेटिंग एजेंसी इक्रा के मुख्य अर्थशास्त्री अजीत नायर ने कहा कि समय सीमा को बढ़ाने और समकक्ष आधार के कारण जुलाई, 2025 में व्यक्तिगत क्लिनिकल संग्रह में कमी आई है. इससे सकल राजस्व का प्रदर्शन अच्छा नहीं हो रहा है.

राशिफल

■ **मेष**: आज का दिन रिश्तों, करियर में उन्नति और वित्तीय योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए एनर्जी प्रदान करता है. फ्यूचर के लक्ष्यों की स्ट्रैटजी बनाने के लिए अच्छा समय है. आज धन का मामला स्मार्ट तरीके से मैनेज करें. फिटनेस पर फोकस करें.

■ **वृषभ**: आज सेहत का ध्यान रखें. आपको अपने विचारों को अपनाने और इसे जीवन के सभी पहलुओं पर लागू करने के लिए मोटिवेट किया जाता है. रिश्ते डीप कनेक्शन की ओर मुड़ते हैं, जबकि करियर के अवसर चुनौती के वादे के साथ आते हैं.

■ **मिथुन**: आज के दिन अपनी पर्सनल लाइफ में आप अपने पार्टनर के साथ अधिक पर्सनल कनेक्शन विकसित कर सकते हैं. वित्तीय सुरक्षा आपको इंकम के अन्य सोर्स आजमाने या अधिक इन्वेस्टमेंट करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यह पर्सनल जरूरतों पर फोकस करने का समय है.

■ **कर्क**: आज आपके करियर की गति धीमी नहीं होनी चाहिए. इन्स्पेक्ट करें कि क्या आपका वर्तमान काम आपके लॉग टर्म लक्ष्यों को पूरा करता है. अपने काम और पर्सनल जीवन के बीच अधिक शांति लाने के लिए योजना बनाएं और जरूरी बदलाव भी करें.

■ **सिंह**: आज का दिन अपने जरूरी प्लांस बनाने के लिए शुभ है. अपने बॉस के सामने अपनी कमिटमेंट, काम का तरीका और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को दिखाने का इससे बेहतर समय क्या हो सकता है? आपका ध्यान घरेलू चुनौतियों पर रहेगा.

■ **कन्या**: आज का दिन आपके सामाजिक जीवन में नई रुचि लाएगा. आपकी विभिन्न संस्कृति के लोगों से जुड़ने की क्षमता नए अवसर या पार्ट-नरशिप के लिए एक खुला द्वार है. शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए जिम ज्वाइन करें.

■ **तुला**: आज हो सकता है कि आप अचानक खुद को उत्सुकता के साथ असाइनमेंट पर काम करते हुए पाएं. आर्थिक लाभ के अवसर भी मिलेंगे. इसके अलावा देखभाल, डाइट में सुधार या यहां तक कि नई एक्सर-साइज शुरू करने पर भी फोकस करें.

■ **वृश्चिक**: आज नेटवर्क बनाएं, अपनी स्किल्स का उदाहरण दें और प्रोजेक्ट्स पर पहल करने से न डरें. आप आय के नए स्रोत ढूंढने की कोशिश कर सकते हैं और वेतन वृद्धि के लिए अभियान शुरू कर सकते हैं. अपने पार्टनर के साथ सम्मान और संयम से व्यवहार करें.

■ **धनु**: आज के दिन डिटेल्स पर काम करने और चीजों को मैनेज करने में बिजी रहेंगे. किसी सम्मेलन, वेबिनार या यहां तक कि व्यावसायिक यात्रा के लिए प्रयास करें. बहुत ज्यादा तनाव लेने से बचें. खर्चों पर ध्यान दें.

■ **मकर**: आज आप स्किल्स को बढ़ाने या नए मार्केट के बारे में अधिक जानने पर विचार करने के लिए उत्सुक हो सकते हैं. आज का मुख्य जोर आपके पर्सनल फाइनेंस के बढ़ते पक्ष पर है, लेकिन इस बात से सावधान रहें कि आप अपना पैसा कैसे खर्च करते हैं.

■ **कुंभ**: आज का दिन पर्सनल ग्रोथ और विस्तार की संभावनाओं से भरा है. विचारों को विकसित करने के लिए अपने सहकर्मियों के साथ बात करने और काम करने की अपनी क्षमता दिखाने का यह सही अवसर है. गल-तफहमी के चलते अन-बन हो सकती है. अपने विचारों और इरादों को क्लियर करें. आपके लिए सेल्फ-लव पर फोकस करने वाला दिन है. काम का बहुत ज्यादा प्रेशर न लें.

■ **मीन**: आज के दिन फ्रेश एनर्जी के साथ अपने करियर की ओर बढ़ें. आपकी बिजनेस शुरू करने की भावना काफी बढ़ जाएगी. सिंगल लोगों का रुझान ऐसे पार्टनर्स की तलाश में हो सकता है, जो काफी दृढ़ और कॉन्फिडेंट हों. मजबूत पेशेवर मोर्चे वाले कुंभ राशि के जातक अच्छे परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली - 435

1		2		3		4		5	6
		7	8			9			
	10								
11					12		13		14
			15	16			17		
18		19				20			
21					22			23	
				24		25	26		27
	28		29						
30						31			

ऊपर से नीचे:-

1. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-2
2. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अँखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-3
3. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-3
4. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 1997 की एक फिल्म-3
5. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-3
6. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-2
8. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-4
10. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-3
12. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-2
13. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-3
14. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-3
16. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-2
18. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-3
19. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-3
20. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-3
23. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-2
24. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-3
26. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-3
27. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-2
28. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-2

बायें से दायें:-

1. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-3
3. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-3
5. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-2
7. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-3
9. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-4
10. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-4
11. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-2
15. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-3
17. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-3
20. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-2
21. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-4
22. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-2
25. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-4
29. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-3
30. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 1984 की एक फिल्म-3
31. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली - 434 का हल

शि	ल्पा		अ	स	रा	नी		स	
का		क	म	ल		य	ल	गा	र
री	ना		री	मा		त		ई	
	रा	जे	श		प		स		ब
का	ज	ल		दा	ग	द	फ	य	र
ला		र	ख	वा	ला		री		सा
पा	पी		ल		क	र्ण		घा	त
नी		हि	ना		हीं		ज	य	
	जं		य		का	का		ल	व
कि	ग	अं	क	ल		श	क्ति		ध

■ मंगल सैंचा, बेंगलोर

अंकजाल - 435

	10	7	23	15	21		27	33	
30	5		9		5		8		15
25		3		2				4	7
			2		7		3		34
14		5				5		8	22
22	9		3				6		18
25		6		5		5			
9	6				7		8		32
14	8			1		7		2	18
	28	22		18	14	39	11	7	

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 434 का हल

	15	15	38	36			27	16	
20	6	3	4	7		8	8	5	21
22	4	9	2	7		5	8	7	20
	5	3	8	2	7	3	4	2	34
			6	7	9	3	7	2	34
34	5	7	2	5	7	8			
43	9	2	3	8	5	6	7	3	
15	6	4	5		5	5	8	6	24
18	4	6	8		7	3	5	6	21
	24	19		40	41	20	15		

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 435

शब्दजाल में 'वहीदा रहमान' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

नी	म	गा	ई	ड	र	रे	फा	न	प	खा
न	ल	क	प	इं	डो	श	शि	या	ड़	मो
अ	दा	क	ला	र	ग	मा	द	प्रे	प	शी
ती	ग	ल	म	ब	दू	औ	प	म	लि	ला
त	स	अ	सौ	ल	जा	र	कि	पु	ला	स
आ	इ	री	मो	व	आ	शे	त	जा	लू	पा
ग	जी	ल	क	व	प	रा	न	री	प्र	स
र	रि	भा	र	स	प	स	द	र	रा	वा
को	ह	रा	ना	थ	म	ज	जी	न	खी	न
न	ट	प	त्थ	र	के	स	न	म	प	श
ब	बी	स	सा	ल	बा	द	त्ता	प	क	र

गाईड,नीलकमल,प्रेम पुजारी,रेशमा और शेरा,खामोशी,पत्थर के सनम,तीसरी कसम,कोहरा,राखी,बीस साल बाद

शब्दजाल - 434 का हल

अ	क	मु	ग	अ	ए	अ	बा	ग	बो	व
द	ज	ल	शे	ज	मे	स	द	ह	कां	मो
र	स	न	या	दी	छ	जं	आ	र्म	ख	ह
इं	स	ल	बी	दि	वा	स	र	ल	श	ब्ब
डि	आ	दो	ग	बो	ज	ना	प	सा	झ	तें
य	को	द	र	दि	ग	उ	खु	ण	ब	क
ती	व	लि	मी	या	प	र	दा	नां	व	सु
अं	एं	अ	या	द	ब	क	ग	ए	श	हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	वा	औ	प	ग
अं	धा	का	नू	न	जी	त	ह	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	आं	खें	प	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बादल फटने की आफत!

प्रकृति को इन दिनों क्या हुआ है, ये पता ही नहीं चल रहा है. बादल फटने की घटनाएं, जो पहले हिमालयी राज्यों तक ही सीमित थीं, अब देश के हर कोने में हो रही हैं. मराठवाड़ा और विदर्भ वैसे तो शुष्क मौसम और कम वर्षा वाले क्षेत्र हैं. हालांकि, हाल के दिनों में इन दोनों क्षेत्रों में बादल फटने से भारी नुकसान होने की घटनाएं बारंबार हो रही हैं. बादल फटने से एक-दो घंटे में या कभी-कभी आधे घंटे में ही भारी बारिश हो जाती है और कुछ ही मिनटों में सब कुछ नष्ट कर देती है. यह बारिश इतनी तेज होती है कि जिन गांवों में बादल फटते हैं, उनके आस-पास की नदियां और नाले अचानक उफान पर आ जाते हैं और आस-पास के सभी खेत-खलिहान पानी में डूब जाते हैं. नांदेड़ और लातूर जिलों ने पिछले दो दिनों से ऐसी ही भीषण बारिश का अनुभव किया है. अकेले नांदेड़ जिले में पिछले दो दिनों में 86 मंडलों में बादल फटने की घटनाएं हुई हैं. शुक्रवार सुबह 8 बजे नांदेड़ जिले के कई तालुकाओं में काले बादल छा गए. नांदेड़ के करीब मालाकोली में कुछ ही मिनटों में 284 मि.मी. बारिश दर्ज की गई. नांदेड़ तालुका के तुप्पा, वसरणी, विष्णुपुरी, तरोड़ा और वाझेगांव मंडलों में भी लगभग 270मि.मी. बारिश हुई. पिछले ही हफ्ते मुखेड़ तालुका में बादल फटने से लेंडी बांध का पानी कई गांवों में घुस गया. यही स्थिति पुनः आ गई है. नांदेड़ शहर और उसके आस-पास के इलाकों में भारी बारिश के कारण विष्णुपुरी बांध लबालब भर गया है. इसके अलावा जायकवाड़ी बांध से छोड़ा गया पानी तेजी से परियोजना स्थल तक पहुंचने के कारण विष्णुपुरी बांध के 11 दरवाजे खोल दिए गए हैं. इससे गोदावरी में आई बाढ़ से किनारे की बस्तियों और नांदेड़ के आगे गोदावरी किनारे बसे गांवों पर बड़ा खतरा निर्माण हो गया है. नांदेड़ से लेकर बाभली बांध और तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है. इसके अलावा लेंडी और मानार परियोजना से फिर से पानी छोड़े जाने के कारण कंधार, लोहा और मुखेड़ तालुकाओं में भी हाहाकार मच गया है. पिछले दस दिनों में हुई बारिश के कारण नांदेड़ जिले में लाखों एकड़ खेती जलमग्न हो गई है. लातूर जिले में भी बादल फटने जैसी बारिश होने के कारण 65 राजस्व मंडलों में अतिवृष्टि हुई है.

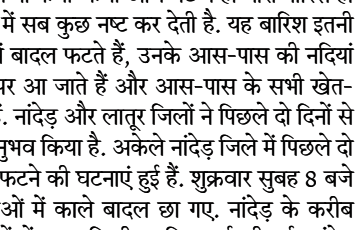

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 31 अगस्त 2025

जबलपुर राष्ट्रबाण

• सोहगपुर • ब्योहारी • जयसिंहपुर • जैतपुर

जबलपुर में बचपन के दोस्त ने रची हत्या की साजिश

गर्लफ्रेंड और ड्राइवर ने युवक की लाश को नहर में फेंका, पीएम रिपोर्ट से खुलासा

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर में एक युवक नितेश विश्वकर्मा की हत्या का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। 24 अगस्त की रात घर से निकले नितेश की लाश 26 अगस्त को बरगी के सगड़ा नहर में मिली थी। शुरुआत में इसे आत्महत्या समझा गया, लेकिन पीएम रिपोर्ट और पुलिस जांच में सामने आया कि नितेश की हत्या की गई थी। हत्या की साजिश उसके बचपन के दोस्त रमनदीप, गर्लफ्रेंड मीनाक्षी और ड्राइवर तौकीर ने मिलकर रची थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

नहर किनारे मिली लाश और कार

24 अगस्त की रात रांझी थाना क्षेत्र के संजय नगर निवासी 26 वर्षीय नितेश विश्वकर्मा इनोवा कार (स्क्र20-ष्टत7482) लेकर घर से निकला था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर पिता ने कॉल किया, लेकिन फोन बंद मिला। अगले दिन परिजनों ने रांझी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। 26 अगस्त की शाम बरगी थाना पुलिस को नहर किनारे एक इनोवा कार खड़ी होने की सूचना मिली। कार खुली हुई थी, लेकिन उसमें कुछ नहीं मिला। थोड़ी ही दूरी पर पानी में झाड़ियों के बीच नितेश की लाश बरामद की गई।

दोस्त बना हत्याकांड का मास्टरमाइंड

पुलिस जांच में पता चला कि नितेश विश्वकर्मा का रांझी मस्ताना चौक निवासी रमनदीप बचपन का दोस्त था। दोनों स्कूल के समय से साथ रहते थे। अप्रैल 2024 में उन्होंने मिलकर बैंक से दो हाइवा गाड़ियां फाइनेंस कराई। इन्हें उदयपुर से खरीदा गया था। गाड़ियां लेने के बाद रमनदीप ने कहा कि पूरा व्यापार मैं संभालूंगा और हिसाब-किताब भी मैं ही संभालूंगा। कुछ समय बाद उसने नितेश को बताया कि काम में 13 लाख रुपए का नुकसान हो गया है। इस पर नितेश ने विरोध जताया और कहा कि जब सारा काम तूम देख रहे हो तो नुकसान भी तुम्हारा ही होना चाहिए। इसी बात को लेकर एक माह पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद के बाद रमनदीप ने नितेश की हत्या की साजिश रच डाली।

गर्लफ्रेंड और ड्राइवर ने दिया साथ

पुलिस के अनुसार हत्या की साजिश में रमनदीप की गर्लफ्रेंड मीनाक्षी भाटिया और ड्राइवर तौकीर भी शामिल थे। तीनों ने मिलकर योजना बनाई और रमनदीप ने गौर स्थित एक होटल से मीनाक्षी और तौकीर को लगातार निर्देश दिए। इसी प्लान के तहत नितेश की हत्या की गई और लाश नहर में फेंक दी गई। प्लान के मुताबिक रमन ने 24 अगस्त को मीनाक्षी से कहा कि नितेश को कॉल करके शहर में बुलाओ। फिर उसे बरगी डैम घूमने के लिए ले जाना। युवती ने वही किया जो रमनदीप ने कहा था। मीनाक्षी के कहने पर नितेश शहर पहुंचा, और फिर दोनों साथ में बरगी के लिए निकल गए। इस दौरान दोनों ने साथ में शराब भी पी। इधर, रमनदीप पल-पल की खबर ले रहा था। दोनों के पीछे उसने अपने ड्राइवर तौकीर खान को लगा रखा था। मीनाक्षी नितेश की कार में बैठकर नहर के किनारे पहुंची। अधिक शराब पीने के कारण नितेश को होश कम था। मीनाक्षी ने तौकीर को लाइव लोकेशन भेज दी थी। जिसके चलते वह लगातार उसके पीछे-पीछे बोलेरो गाड़ी से आ रहा था।

ड्राइवर ने सिर पर मारी रॉडी, फिर नहर में फेंका

बरगी नहर के पास पहुंचने के बाद दोनों गाड़ी से बाहर उतरे, इस दौरान पास ही छिपे तौकीर ने लोहे की रॉड से नितेश के सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गया, इसके बाद दोनों ने मिलकर नितेश को नहर में फेंक दिया। हत्या को सुसाइड दिखाने के लिए मीनाक्षी ने जमीन पर रखी शराब की बोतल इनोवा कार में रख दी। नितेश के दो मोबाइल और कार की चाबी भी नहर में फेंक दी। जिससे पुलिस को लगे कि नितेश शराब के नशे में खुद ही नहर में गिर गया। नितेश विश्वकर्मा की कार वहीं पर छोड़कर तौकीर ने मीनाक्षी को बोलेरो कैंपर गाड़ी से बरगी टोल प्लाजा के पास छोड़ दिया। बरगी टोल प्लाजा के पास रमनदीप मीनाक्षी को लेने आया और फिर उसे मौसी के घर यादव कॉलोनी में छोड़ दिया था।

खून के धब्बे से शुरू हुआ शक

नितेश विश्वकर्मा हत्याकांड शुरू से सुसाइड लग रहा था। मौके से शराब की बोतल मिलना, कार की चाबी और मोबाइल का ना मिलना यह बता रहा था कि शायद शराब के नशे में नितेश नहर में गिर गया और उसकी मौत हो गई। जांच के दौरान बरगी नगर पुलिस चौकी प्रभारी सरिता पटेल और उनकी टीम को जब कार के आसपास खून के धब्बे मिले तो यह समझने में देर नहीं लगी कि यह सुसाइड नहीं बल्कि हत्या है। इसके बाद पुलिस कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए आरोपियों तक पहुंच गई। खुलासे में थाना प्रभारी रांझी उमेश गोल्हानी, उप निरीक्षक मयंक यादव, सहायक उप निरीक्षक मनीष जाटव, प्रधान आरक्षक चंद्रभान, पुरुषोत्तम, आरक्षक अभिषेक मिश्रा, मनीष पटेल, गौरव यादव, चौकी प्रभारी बरगी नगर उप निरीक्षक सरिता पटेल, आरक्षक मुकेश डहेरिया, सायबर सेल के उप निरीक्षक कपूर सिंह, आरक्षक अरविन्द सूर्यवंशी की टीम जुटी रही।

पुलिस ने किया हत्याकांड का खुलासा

वारदात के 6 दिन बाद रांझी और बरगी थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए हत्याकांड का पर्दाफाश किया और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब हत्या में इस्तेमाल तरीके और वारदात से जुड़े अन्य सबूतों की जांच कर रही है।

एएसपी अंजना तिवारी ने बताया

रमनदीप ने ही नितेश और मीनाक्षी की दोस्ती कुछ माह पहले कराई थी। दोनों की मुलाकातें भी होने लगी थी। यह एक सोची समझी साजिश के तहत चल रहा था।

जबलपुर के सिद्ध गणेशधाम में अद्भुत परंपरा

15 साल में 5 से 41 किलो पहुंचा चांदी के गणेश का वजन, पुजारी बोले- सब प्रभु की कृपा

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर में सिद्ध गणेशधाम रजत गणेश मंदिर में गणपति की एक ऐसी प्रतिमा है जिसका वजन 15 साल में 5 से 41 किलो गया है। मंदिर के पुजारी बताते हैं कि यहां लोग मनोकामना पूरी होने के बाद अपनी इच्छा से मंदिर में चांदी चढ़ाते हैं। और फिर उस चांदी से हर साल प्रतिमा को दोबारा बनाया जाता है। मूर्ति बनाने का ये काम महाराष्ट्र के कोल्हापुर में होता है। आज यह प्रतिमा 2 फीट ऊंची हो गई है जिसमें गणेश जी का मुकुट और सिंहासन भी चांदी का है। पंडित प्रमोद तिवारी ने कई साल पहले मिट्टी की मूर्तियों की जगह चांदी की गणेश प्रतिमा स्थापित करने की परंपरा शुरू की थी। साल 2011 में जब इसकी शुरुआत हुई थी, तब मूर्ति का वजन 5.15 किलो था, जो अब भक्तों के सहयोग से बढ़कर 41 किलो हो गया है।

हर साल बढ़ रहा प्रतिमा का वजन

पंडित ने बताया कि यह भक्तों की पूरी हुई मनोकामनाओं का परिणाम है। जिन भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं, वे चांदी के रूप में अपना सहयोग देते हैं, जिससे मूर्ति का वजन हर साल बढ़ता जाता है। पंडित तिवारी का मानना है कि जो भगवान पूरी दुनिया की रक्षा करते हैं, वही इस मंदिर और प्रतिमा की सुरक्षा भी करेंगे, इसलिए उन्होंने सुरक्षा के लिए कोई खास इंतजाम नहीं किए हैं। पंडित प्रमोद तिवारी का कहना है कि मिट्टी की प्रतिमाओं के विसर्जन से जल स्रोत प्रदूषित होते हैं, जबकि चांदी की प्रतिमा की इस परंपरा से प्रकृति को कोई नुकसान नहीं पहुंचता। यह मंदिर न केवल लोगों की आस्था का केंद्र है, बल्कि पर्यावरण को बचाने का एक प्रेरणादायक संदेश भी देता है। ग्वारी-घाट क्षेत्र में स्थित इस मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और यहां आने वाले भक्तों की अर्जी का रिकॉर्ड भी बाकायदा एक रजिस्टर में रखा जाता है। यह मंदिर लोगों की आस्था को और भी गहरा करता है और उन्हें प्रकृति के प्रति जागरूक भी करता है।

एमपी के सबसे लंबे फ्लाईओवर पर रील बनाने पर एक्शन

जबलपुर पुलिस ने एक हफ्ते में 190 लोगों के चालान काटे; 83 हजार रुपए वसूले

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर में बने एमपी के सबसे बड़े फ्लाईओवर पर स्टंट, वीडियो और डांस करने का शौक युवाओं को भारी पड़ गया। ये वीडियो सामने आने पर इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया। इसके बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए वीडियो बनाने वालों के चालान काटे और दोबारा ऐसा नहीं करने की हिदायत दी। एसपी संपत उपाध्याय के निर्देश पर डीएसपी बीएन प्रजापति और मदनमहल थाना प्रभारी संगीता सिंह शुक्रवार देर रात फ्लाईओवर पर गश्त करते रहे। इस दौरान कई लोगों को पकड़कर चालान जारी किया। बता दें, बीते एक सप्ताह में पुलिस ने कुल 190 लोगों के चालान काटकर 83 हजार रुपए जुर्माना वसूला और चेतावनी दी कि भविष्य में नियमों का उल्लंघन करने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

किन्नर माही ने फ्लाईओवर पर किया था डांस

फ्लाईओवर के केबल-स्टे ब्रिज पर डांस करती माही शुक्ला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पुलिस ने उसे तलाश कर हिदायत दी कि भविष्य में फ्लाईओवर या सड़क पर ऐसा डांस न करे। माही ने गलती स्वीकार करते हुए कहा कि उसका इरादा केवल जबलपुर को मिली इस बड़ी सौगात की खुशियां मनाने का था और अब ऐसा दोबारा नहीं करेगी।

रील बनाने वाले 'पीके' को ढूंढ रही पुलिस

अभिनेता आमिर खान की फिल्म पीके के किरदार जैसी एक्टिंग करते हुए एक युवक ने फ्लाईओवर पर वीडियो बनाया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने उसे तलाशना शुरू किया और ब्रिज पर 24 घंटे निगरानी रखी, ताकि स्टंट और रील बनाने वाले जोखिम भरे व्यवहार से रोके जा सके।

समझाइश के बाद भी नहीं मानी चेतावनी

बीते एक सप्ताह में फ्लाईओवर पर बनाए गए वीडियो पुलिस ने संज्ञान में लिए। कुछ वीडियो में कार में कई लड़के खड़े थे, तो कुछ में बाइक पर छह लोग फोटो सेशन कर रहे थे। सड़क पर डीजे लगाकर डांस करने वाले वीडियो भी सामने आए। तब पुलिस ने ऐसा नहीं करने की हिदायत दी थी, इसके बावजूद लोग फ्लाईओवर पर वीडियो बना रहे हैं। पुलिस ऐसे सभी लोगों की गाड़ी और उनका पता कर कार्रवाई कर रही है।

पुलिस को देखकर भागे रील बाज

शुक्रवार रात अचानक पुलिस की टीम ब्रिज पर पहुंची, तो कई लोग इधर-उधर भाग गए। कुछ पुलिस की पकड़ में आए और बहाना बनाने लगे कि वे नाइट वॉक के लिए आए थे। पुलिस ने ब्रिज के आसपास अनावश्यक घूमने वालों के खिलाफ कार्रवाई की और सभी से अपील की कि नियमों का पालन करें।

कार की छत पर बैठकर और लटककर बनाया वीडियो

एक वीडियो सामने आया था, जिसमें फ्लाईओवर पर चलती कार की छत पर कुछ युवक बैठे थे और कुछ लड़के गेट से बाहर लटक रहे थे। ये वीडियो गौरीघाट के रहने वाले मोहन सेन ने अपने दोस्तों के साथ बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। मोहन ने माना कि उसने यातायात नियमों का उल्लंघन किया और अपनी जान जोखिम में डाली। जबलपुर पुलिस ने मोहन की गाड़ी का 3 हजार रुपए का चालान कर नोटिस भेजा। साथ ही चेतावनी दी कि दोबारा ऐसा करने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

जबलपुर नगर निगम की साधारण सभा की बैठक में हंगामा

11 में से 9 प्रस्ताव पास, विपक्ष ने टैक्स वसूली और सफाई व्यवस्था पर उठाए सवाल

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर नगर निगम की साधारण सभा की बैठक में शुक्रवार को देर शाम तक जमकर हंगामा हुआ। दो दिन चली इस बैठक में 11 विषयों पर चर्चा की गई। जिनमें से 9 को सर्वसम्मति से पारित किया गया। मेयर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि विपक्ष ने धारा 30 के तहत बैठक बुलाने की अनुमति मांगी थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया था। हालांकि, बैठक के दौरान सदन की मर्यादा का उल्लंघन भी

हुआ और पार्षदों ने अमर्यादित शब्दों का भी प्रयोग किया। मेयर ने दावा किया कि ज1500 करोड़ के कार्यों पर चर्चा हुई है और आने वाले समय में ज350 करोड़ की लागत से विकास कार्य किए जाएंगे, जिससे जबलपुर मध्यप्रदेश का सबसे बेहतर शहर बनेगा। वहीं, कांग्रेस पार्षद अवनीश मिश्रा ने बैठक में उठाए गए मुद्दों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि पिछले 6-8 महीनों से सभी तरह के टैक्स जमा होना बंद हो गए हैं, जिससे नगर निगम का काम ठप पड़ा है। मिश्रा ने आरोप लगाया कि ÷ट्रिपल इंजन की सरकार÷ होने के बावजूद ठेकेदारों को उनके बिलों का भुगतान नहीं हो रहा है, जिससे वे काम करने में असमर्थ हैं। उन्होंने बताया कि %डोर-टू-डोर% टैक्स का भुगतान करने के बावजूद, कचरा वाहन रोजाना घरों तक नहीं आ रहे हैं, जिससे जनता को परेशानी हो रही है।

कांग्रेस पार्षद ने कहा- मूलभूत समस्याओं पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

अवनीश मिश्रा ने मेयर पर सिर्फ बड़े-बड़े इवेंट करने का आरोप लगाया और कहा कि वे शहर की मूलभूत समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने पुरानी व्यवस्था का भी जिक्र किया, जिसमें लोग 30 सितंबर तक टैक्स भरकर ज500 की छूट पाते थे, लेकिन अब अधिकारी समय पर टैक्स जमा कराने में असमर्थ हैं। उन्होंने यह भी बताया कि नगर निगम सिर्फ दिखावे के लिए काम करता है, खासकर जब स्वच्छता अभियान की टीम आती है। मिश्रा ने चेतावनी दी है कि अगर मंगलवार तक इन समस्याओं का समाधान नहीं होता है, तो कांग्रेस पार्षद दल सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगा। यह नगर निगम के अंदर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाता है।

एडीएम द्वारा विद्यार्थियो से लिखाकर एवं डीपीसी द्वारा छात्रों से पढ़वाकर परखी गई शैक्षणिक गुणवत्ता

छिंदवाड़ा। राष्ट्रबाण

कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये अधिकारियों द्वारा लगातार निरीक्षण किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त कलेक्टर श्री धीरेन्द्र सिंह ने विकासखंड चौरई के प्राथमिक शाला डुंगरिया का आकस्मिक निरीक्षण कर कक्षा 3 एवं 4 के विद्यार्थियों से पढ़वाकर एवं लिखवाकर गुणवत्ता परखी। इस दौरान विद्यालय का स्तर सामान्य पाया गया। वहीं आज जिला परियोजना समन्वयक श्री जे.के. इड़पाचे एवं सहायक जिला परियोजना समन्वयक श्री भानू गुमास्ता ने विकासखंड चौरई के माध्यमिक शाला मोहगांव खुर्द, प्राथमिक शाला खैरीटोला एवं माध्यमिक शाला सीदप का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण में प्राथमिक शाला खैरीटोला का शैक्षणिक स्तर संतोषजनक पाया गया, वहीं मोहगांव खुर्द और सीदप विद्यालयों में कक्षा 3 एवं 4 के विद्यार्थी धाराप्रवाह हिंदी नहीं पढ़ पाए। इस पर संबंधित विद्यालयों को रेमेडियल कक्षाएं लगाकर गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए गए। साथ ही नियमित रेमेडियल कक्षाएं न लगाने और विद्यार्थियों का स्तर संतोषजनक न होने पर नोटिस जारी किया गया है। निरीक्षण के बाद जिला परियोजना समन्वयक एवं सहायक परियोजना समन्वयक ने शासकीय माध्यमिक शाला सीदप चौरई में आयोजित शैक्षिक संवाद का अवलोकन किया।

राजस्व अधिकारियों को कलेक्टर का आदेश

तालाबों का सीमांकन करें, दलालों पर कार्रवाई करें

जबलपुर। राष्ट्रबाण

जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने आज राजस्व अधिकारियों की एक बैठक ली, जिसमें उन्होंने राजस्व संबंधी मामलों को लेकर कई अहम निर्देश जारी किए। बैठक में अपर कलेक्टर मिशा सिंह, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत और एडीएम श्री नाथूराम गोड भी मौजूद रहे। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि वे राजस्व न्यायालय परिसर का नियमित निरीक्षण करें और वहां सक्रिय एजेंटों और दलालों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। बैठक के दौरान, सक्सेना ने राजस्व

अधिकारियों से कहा कि वे तालाबों का सीमांकन करें और स्थाई मुनारा चिन्ह लगाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई इन चिन्हों को हटाता है तो उसके विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने राजस्व रिकॉर्डों की स्कैनिंग जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश भी दिए। फार्मर रजिस्ट्री की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर ने छह पटवारियों की वेतन वृद्धि रोकने के आदेश दिए। उन्होंने तहसील-वार लंबित नामांतरण, बटवारा, सीमांकन और वसूली के मामलों की भी समीक्षा की। इसके अलावा, बैठक में धारणाधिकार, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, अवैध कॉलोनियों की रिपोर्ट और सीएम हेल्पलाइन के लंबित मामलों के निपटारे पर भी चर्चा हुई।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने नेशनल लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा के संबंध में न्यायाधीशगणों की ली बैठक

छिंदवाड़ा। राष्ट्रबाण

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिंदवाड़ा सुशांत हुद्दार ने आगामी 13 सितंबर 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में आज समस्त न्यायाधीशगणों की बैठक ली। बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री हुद्दार ने सभी न्यायाधीशगणों को नेशनल लोक अदालत में रखे जाने वाले प्रकरणों को शीघ्र अतिशीघ्र चिन्हित कर उन प्रकरणों में समय पूर्व पक्षकारों को सूचना पत्र प्रेषित करने एवं दिन-प्रतिदिन प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा करने तथा पक्षकारों के बीच प्रीसिटिंग कर प्रकरणों को समझौता स्तर तक पहुंचाने का प्रयास करने के निर्देश दिए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री हुद्दार ने न्यायाधीशगणों को ऐसे प्रकरण जिनमें समझौते की अत्यधिक संभावना है जैसे की मोटर दुर्घटना, क्षतिपूर्ति दवा, नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट, पारिवारिक विवाद एवं अन्य सिविल प्रकरणों में अधिक से अधिक प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला न्यायालय में पदस्थ विशेष न्यायाधीश छिंदवाड़ा सुधीर मिश्रा, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय छिंदवाड़ा सुशील कुमार त्यागी, जिला न्यायाधीशगण प्रेमपाल सिंह, संकर्षण प्रसाद पाण्डेय, श्री अभिषेक नागराज, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट छिंदवाड़ा सहित अन्य उपस्थित थे।

रीवा के युवक ने लगाई याचिका

ऑनलाइन गेम्स कानून को हाईकोर्ट में चुनौती, अगले हफ्ते चीफ जस्टिस की बेंच करेगी सुनवाई

जबलपुर। राष्ट्रबाण

केंद्र सरकार कानून बनाकर ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। जिसे मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। रीवा के पुष्पेंद्र सिंह ने याचिका दायर कर कहा है कि इस तरह का कानून लाकर मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए केस को अगले सप्ताह के लिए सूचीबद्ध किया है। बता दें कि इससे पहले कई राज्यों में ऑनलाइन गेमिंग कानून को

लेकर याचिका दायर की गई हैं। पुष्पेंद्र सिंह रीवा की क्लबूबम 11 स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ हैं। याचिका में उन्होंने बताया है कि केंद्र सरकार 22 अगस्त को ऑनलाइन गेमिंग कानून लाई है, जिस पर सवाल उठ रहे हैं। कंपनी का तर्क है कि फेंटेसी स्पोर्ट्स को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट पहले ही कौशल आधारित खेल मानकर वैध ठहरा चुके हैं। इसके बाद भी सरकार का नया कानून युवा और कौशल आधारित खेलों के बीच का फर्क खत्म करके पूरे उद्योग को अवैध बता रहा है, जो अवैधानिक है।

नया कानून मौलिक अधिकार का हनन

पुष्पेंद्र सिंह का कहना है कि ये कानून उन गेम्स को भी बैन करता है, जो स्किल-बेस्ड हैं, जैसे रमी और पोकर। भारत में पिछले 70 सालों से सुप्रीम कोर्ट और कई हाई कोर्ट ने स्किल-बेस्ड गेम्स को गैंबलिंग से अलग माना है।ये कानून व्यापार करने के मौलिक अधिकार का हनन करता है।कानून स्किल-बेस्ड और चांस-बेस्ड गेम्स में कोई अंतर नहीं करता। इस बैन से गेमिंग इंडस्ट्री को भारी नुकसान होगा। लाखों नौकरियां खतरे में हैं। बैन से लोग अवैध ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स की ओर जाएंगे, जहां कोई रेगुलेशन नहीं होता।

इंडस्ट्री पर क्या असर पड़ेगा ?

इस कानून के आने के बाद ड्रीम11, गेम्स 24×7, विंजो, गेम्सक्राफ्ट और माय11 सर्कल जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स ने अपने मनी-बेस्ड गेम्स बंद कर दिए हैं। उदाहरण के लिए ...ड्रीम11 ने 22 अगस्त को अपने कैश-बेस्ड गेम्स बंद करने की घोषणा की। गेम्स क्राफ्ट ने अपनी रमी एप्स, जैसे रमीकल्चर और गेम प्ले सर्विसेज रोक दी हैं। पोकरबाजी ने भी अपने ऑपरेशंस बंद कर दिए हैं।

राष्ट्रपति की मंजूरी मिल चुकी है

22 अगस्त को ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल चुकी है। अब ये कानून बन गया है। 21 अगस्त को राज्यसभा और उससे एक दिन पहले लोकसभा ने प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 को मंजूरी दी थी। इस बिल को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पेश किया था।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 31 अगस्त 2025

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

स्कूल प्रांगण में बच्चों की जान को खतरा

स्कूल प्रांगण में पंचायत कर रही स्विमिंग पूल का संचालन , जब बाढ़ आए तब बांध बनाना पुराना दस्तूर

आठनेर। राष्ट्रबाण

बाकुड पंचायत अंतर्गत पीएम श्री स्कूल प्रांगण से लगा हुआ एक कुआं जो दसकों से बिना उपयोग और देखभाल के भगवान भरोसे खुला पड़ा हुआ है जिसकी सुध लेने वाला इस पंचायत में कोई नहीं है हा लेकिन स्कूली बच्चों के लिए यह कोई स्विमिंग पूल से कम नहीं है ग्रामीण बताते हैं कि बच्चे अपने माता-पिता और शिक्षक की पीठ पीछे गोते लगाने से बाज नहीं आते स्कूल प्रबंधन द्वारा भी इस बेकार पडे कुएं को बंद करने के लिए आवेदन कर चुके हैं परंतु कोई फायदा नहीं हुआ लगता है की गांव की सरपंच मालती और सचिव किसी बडी अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं। जबकि हमारे जिले के कलेक्टर का आदेश है की अगर एक बोर भी खुला रहता है तो भूमि स्वामी पर प्रकरण दर्ज किया जाएगा पर यह कुआं पंचायत वाले खुल्लम खुल्ला स्विमिंग पूल बनाकर रखे हैं इन पर कोई मामला दर्ज नहीं होगा या अब कलेक्टर सहाब भी किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं।

भारत देश में यहां के लोगों के लिए यह कोई नई बात नहीं है कि जब बाढ़ आए तब बांध बनाना। कुछ दिन पहले सारनी में एक ट्रक ड्राइवर ने सड़कों पर बैठी दस गायों को कुचल मौत के घाट उतार दिया जैसे ही यह खबर लगी पुरा जिला हरकत में आ गया। भगवान ना करे कोई अनहोनी हो या कोई हादसे का शिकार हो तब शासन प्रशासन हरकत में आए अगर इस ओर ध्यान दे समय रहते कुए को ढक दिया जाए तो बहुत बडे हादसे को पहले ही रोका जा सकता है।

प्रकृति के ऋण से मुक्ति पाने हेतु प्रतिवर्ष कम से एक पौधा जरूर लगाए

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भेंट किया आम का पौधा

मुलताई। राष्ट्रबाण

अखिल विश्व गायत्री परिवार मुल्ताई द्वारा एक पौधा पूर्वजों के नाम अभियान के तहत निरंतर पर्यावरण के संरक्षण के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है,इसी के अंतर्गत गायत्री परिवार निरंतर श्रद्धांजलि कार्यक्रम,जन्म दिवस,विवाह दिवस एवं अन्य सामूहिक कार्यक्रमों में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे भेंट कर उन्हे पाल पोश कर बड़ा करने का संकल्प भी दिलाया जाता है ,एक पौधा पूर्वजों के नाम अभियान के अंतर्गत स्व बेबीबाई देशमुख की वार्षिक श्राद्ध श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उनके पुत्रों प्रवीण देशमुख एवं नवीन देशमुख को गायत्री परिवार के परिजनों श्यामराव बारस्कर,तहसील समन्वयक नारायण देशमुख, भाऊराव पाटणकर, राजू पाटणकर,जगन्नाथ पंडाग्रे संजय वागदरे , उत्तम राव धोटे, संतोष राव साबले आदि ने एक आम पौधा भेंट कर पाल पोश कर बड़ा करने का संकल्प दिलाया । तहसील समन्वयक नारायण देशमुख ने उपस्थित परिजनों को पर्यावरण संरक्षण के लिए एवं प्रकृति के ऋण से मुक्ति पाने हेतु ,सभी को अपने पूर्वजो की स्मृति में प्रतिवर्ष एक पौधा अवश्य लगाने की बात कही।

बैतूल में कांग्रेस को मजबूत करने निकले निलय विनोद डागा

संगठन को गति देने 1 और 2 सितंबर को विभिन्न ब्लाकों में करेंगे मैराथन दौरा, दो दिन में लेंगे 8 बैठके

बैतूल। राष्ट्रबाण

जिले में संगठन को सशक्त करने और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल के अध्यक्ष निलय विनोद डागा 1 और 2 सितंबर को बैतूल जिले के विभिन्न ब्लॉक एवं उपब्लॉक कांग्रेस इकाइयों के दौरे पर रहेंगे। इस दो दिवसीय दौरे में निलय विनोद डागा जिले के कुल आठ स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठकों में भाग लेंगे, जहां वे संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करेंगे और आगामी रणनीति की दिशा तय करेंगे।

जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन महामंत्री स्पेंसर लाल से मिली जानकारी के अनुसार, उनके दौरे की शुरुआत 1 सितंबर को दोपहर 11.45 बजे दुनावा में उपब्लाक कांग्रेस की बैठक से होगी। इसके पश्चात दोपहर 1 बजे मुलताई के आशीर्वाद लॉन में मुलताई ब्लॉक कांग्रेस की बैठक होगी। दोपहर 2 बजे तिवरखेड़ के ठाकरे मंगल भवन में प्र.पट्टन ब्लॉक कांग्रेस की बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद दोपहर 3 बजे आष्टा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मासोद उप ब्लॉक की बैठक होगी।

दूसरे दिन 2 सितंबर को निलय विनोद डागा दोपहर 12.15 बजे कोथलकुंड में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उपब्लॉक सावलमेढ़ा की बैठक में भाग लेंगे। दोपहर 2 बजे उमा लॉन शिव मंदिर रोड भैंसदेही में ब्लॉक कांग्रेस की बैठक, शाम 4.30 बजे ब्लाक कांग्रेस कमेटी बोरदेही उपब्लॉक की बैठक खेड़ली बाजार में आयोजित होगी तथा अंतिम चरण में शाम 6 बजे माथनकर लान आमला में ब्लॉक कांग्रेस की बैठक में शिरकत करेंगे।

निलय डागा का यह दौरा कांग्रेस संगठन में नई ऊर्जा का संचार करेगा, जिसमें वे जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर संगठन की मजबूती और एकजुटता पर बल देंगे। यह दौरा आगामी चुनावी तैयारियों की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की भूमिका को स्पष्ट किया जाएगा।

श्री डागा द्वारा लगातार जिलेभर में किए जा रहे सक्रिय प्रयासों से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश और आत्मविश्वास का संचार हो रहा है। संगठन की मजबूती के लिए उनका यह सघन कार्यक्रम कांग्रेस को जमीनी स्तर पर नई दिशा देने वाला साबित हो सकता है।

मुलताई में 16 साल की छात्रा की मौत

बैतूल। बैतूल जिले के मुलताई क्षेत्र में ग्राम बरई निवासी 10वीं की छात्रा की शुक्रवार को तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। छात्रा परीक्षा देकर घर लौटी और खाना खाने के बाद उसे घबराहट और उल्टियां शुरू हो गईं। तबीयत खराब होने पर छात्रा अकेली ही बस से मुलताई अस्पताल जाने लगी। रास्ते में उसकी हालत ज्यादा खराब हो गई। करपा जोड़ के पास उल्टी होने पर बस कंडक्टर ने उसे उतार दिया। बेहोशी की हालत में सड़क किनारे पड़ी छात्रा को उसके रिश्तेदार ने देखा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई पहुंचाया। यहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां शनिवार तड़के उसकी मौत हो गई।

बीजासनी माता मंदिर में आज मनेगा श्री राधा महारानी जन्मोत्सव

रात्रि 8 बजे से प्रारंभ होगी विशाल भजन संध्या

ठीक रात्रि 12 बजे मनाया जायेगा जन्मोत्सव 56 भोग मिठाई , 15 किलो माखन मिश्री एवं 101 किलो दूध का लगेगा भोग , महाआरती के पश्चात होगा महाप्रसाद का वितरण झाकियां एवं मंदिर की साज सज्जा होगी विशेष आकर्षण का केंद्र

बैतूल। राष्ट्रबाण

बैतूल गंज स्थित बीजासनी माता मंदिर में आज 31 अगस्त रविवार को श्री राधा महारानी जन्मोत्सव अत्यंत धूमधाम से मनाया जायेगा। इस अवसर पर अनुपम झांकियां एवं मंदिर की साज सज्जा विशेष आकर्षण का केंद्र होंगी। रात्रि 8 बजे से विशाल भजन संध्या प्रारंभ होगी एवं ठीक रात्रि 12 बजे श्री राधा महारानी का जन्मोत्सव होगा तथा 56 भोग मिठाई, 15 किलो माखन मिश्री एवं 101 किलो दूध का भोग लगेगा तत्पश्चात महाआरती होगी एवं महाप्रसाद वितरित किया जाएगा। मंदिर संस्थापक एवं समिति अध्यक्ष पंडित दीपक शर्मा ने बताया कि श्री राधा जन्माष्टमी का अत्यंत विशेष महत्व है क्योंकि भगवान श्री कृष्ण की आराधना तो पूरी दुनिया करती है लेकिन भगवान स्वयं श्री राधा जी की आराधना करते हैं इसीलिए भजन संध्या में श्री राधा नाम संकीर्तन का विशेष महत्व है, उन्होंने नगर के सभी धर्मप्रेमियों से सपरिवार आयोजन में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।।

जनसेवा कल्याण समिति के अधिवेशन में विभिन्न सेवा कार्यों की हुई समीक्षा

जिलेभर से आए पदाधिकारी और सदस्यों का उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मान

आमला। राष्ट्रबाण

नगर के खानापुर रोड स्थित भवानी लॉन में जनसेवा कल्याण समिति का वार्षिक अधिवेशन बड़े ही उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राहुल ढेंडे सहित जिलेभर से आए पदाधिकारी, सदस्य और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष अजय गंगारे, वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र उपाध्याय, नीरज सोनी, मनोज वादवा, राजू मदान, चंद्रशेखर ठाकुर, यशवंत चिडोकर, शिवपाल गंगारे, पिंकी राजपूत, सागर चौहान, अमित यादव, अनिल सोनपुरे, नितिन ठाकुर और भावेश मालवीय विशेष रूप से मौजूद रहे। अध्यक्ष राहुल ढेंडे ने अपने उद्बोधन में बताया कि समिति ने पिछले एक वर्ष में रक्तदान शिविर, पशु सेवा, गरीबों की मदद और जनकल्याण संबंधी कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि यह अधिवेशन समिति द्वारा किए गए इन सभी कार्यों की समीक्षा का एक अवसर है ताकि भविष्य में और अधिक प्रभावी ढंग से योजनाओं को लागू किया जा सके। राहुल ढेंडे ने आगे कहा कि समिति के प्रयासों से समाज के जरूरतमंद तबके को लगातार मदद मिलती रही है और यही उद्देश्य आने वाले वर्षों में भी बरकरार रहेगा।

– नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अजय गंगारे का संकल्प

समिति के वार्षिक अधिवेशन में सर्वसम्मति से अजय गंगारे को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनके नाम की घोषणा होते ही तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा पंडाल गूंज उठा। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे। गंगारे ने कहा कि समिति की छवि समाजसेवा में अग्रणी रही है और वे इस परंपरा को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वे समिति को जिले के हर गांव और शहर तक ले जाएंगे ताकि अधिक से अधिक लोग जुड़ सकें। गंगारे ने यह भी कहा कि वे समाज के गरीब और जरूरतमंद वर्ग की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। अपने संबोधन में उन्होंने अध्यक्ष राहुल ढेंडे का आभार व्यक्त किया।

समिति के कार्य को और भी देना है विस्तार

अध्यक्ष राहुल ढेंडे ने अपने समापन भाषण में समिति के अब तक के कार्यों का बखान करते हुए भविष्य की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि डेढ़ दशक से समिति ने रक्तदान, शिक्षा, चिकित्सा सहयोग, पशु सेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में अनवरत कार्य किए हैं। अब समय आ गया है कि समिति के कार्य को जिला स्तर से भी आगे बढ़ाकर प्रांतीय स्तर तक ले जाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नए जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में समिति के सदस्यों को और अधिक सक्रिय किया जाएगा। इसके लिए आने वाले दिनों में प्रशिक्षण शिविर, जनजागरूकता अभियान और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राहुल ढेंडे ने कहा कि समिति का उद्देश्य केवल समाज की सेवा करना है और यह तभी संभव होगा जब सभी सदस्य मिलकर काम करेंगे। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे भी समिति से जुड़कर समाजसेवा की इस मुहिम का हिस्सा बनें। अधिवेशन के अंत में सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि समिति का हर सदस्य समाजहित में तन, मन और धन से सहयोग देने को सदैव तत्पर रहेगा।

सामाजिक जनकल्याण समिति की महिला इकाई का गठन, चंद्रप्रभा चौकीकर बनीं अध्यक्ष

महिला शक्ति को मिला नेतृत्व, किरार मंगल भवन आयोजित हुई बैठक

बैतूल। राष्ट्रबाण

सामाजिक जन कल्याण समिति की बैठक 30 अगस्त शनिवार को सदर स्थित किरार मंगल भवन में आयोजित की गई। बैठक में महिला समिति का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चुनाव हुआ। अध्यक्ष पद के लिए श्रीमती चंद्रप्रभा चौकीकर को चुना गया, जबकि सचिव की जिम्मेदारी श्रीमती कंचन भूमरकर और कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी श्रीमती वृंदा नागले को सौंपी गई। इसके अलावा सदस्य के रूप में अंजू मांडवे, कोसी मालवीय, संगीता नागले, मालती वाईकर, कस्तूरी वरवड़े, वंदना भूमरकर और अक्षिता पाटिल को मनोनीत किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से एफ एल सरनकर, एनके मांडवे, दयाराम झरबडे, नत्थूप्रसाद चौकीकर, सूरजलाल मंडलेकर, शिवदयाल चौकीकर, अजाबराव भूमरकर, शेषराव वाईकर, रामदास पंडाग्रे, शेषराव नागले, नारायण शरनकर, महादेव पाटिल, गरीबदास पाटिल, द्वारका प्रसाद बिसंद्रे, करणलाल चंदेलकर, पंजाबराव भालेकर, पंजाबराव अतुलकर, ओपी भूमरकर, रामभरोस पूर्वे, माणिकराव कापसे, कृष्णा उबनारे, सरजेराव पाटिल, नत्थू कापसे, संजय जौंजारे, तुलसीराम मसतकर, बुधराव वाईकर, नारायण सा, गणपत राव पाटिल आदि शामिल रहे।

बैठक का संचालन पूरी गरिमा और उत्साह के साथ किया गया। समिति के वरिष्ठ सदस्यों ने नवगठित महिला संगठन की टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से सामाजिक कार्यों को नई दिशा मिलेगी और संगठन और अधिक मजबूत होगा।

बैतूल में आज होगा जिला स्तरीय कला उत्सव

12 विधाओं में विद्यार्थी दिखाएंगे प्रतिभा, विजेता राज्य स्तर पर करेंगे प्रतिनिधित्व

बैतूल। एजेंसी

बैतूल के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 31 अगस्त को जिला स्तरीय राष्ट्रीय कला उत्सव 2025 का आयोजन होगा। इस उत्सव में विकासखंड स्तर से चयनित प्रतिभागी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में 12 कला विधाओं का समावेश किया गया है। इनमें शास्त्रीय संगीत गायन, लोकगीत समूह गायन, तंत्री-सुषिर वादन, समूह वाद्य वृंद, शास्त्रीय एकल नृत्य और लोक-जनजातीय समूह नृत्य शामिल हैं। साथ ही लघु नाटिका, एकल चित्रकला, मूर्तिकला, स्वदेशी खिलौने और पारंपरिक कहानी वाचन की प्रस्तुतियां भी होंगी।

2015 से हो रहा कला उत्सव का आयोजन

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय 2015 से इस कला उत्सव का आयोजन कर रहा है। इसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानना और शिक्षा में कला को बढ़ावा देना है। इस वर्ष कार्यक्रम की विषयवस्तु विकसित भारत-वर्ष 2047 रखी गई है। जिला स्तर पर चयनित प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बैतूल का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अवधारणाओं के अनुरूप किया जा रहा है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 31 अगस्त 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

गर्भवती महिला की मौत

झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन से बिगड़ी तबीयत, परिजनों ने लगाए मामले को दबाने के आरोप

लालबर्रा के टेंगनीकला गांव का मामला, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस पर लापरवाही का आरोप

डॉ. अवधेश ऐड़े : झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन से गई गर्भवती महिला की जान?

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा : जिम्मेदार माने, डॉक्टर इंजेक्शन लगाने का हकदार नहीं !

शहीद भगतसिंह जिला चिकित्सालय बालाघाट : जिम्मेदार नहीं कर रहे कार्यवाही।

लालबर्रा/बालाघाट। राष्ट्रबाण

लालबर्रा के ग्राम टेंगनीकला में झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से एक गर्भवती महिला की मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रियंका ऊईके (उम्र लगभग 25 वर्ष) छह माह की गर्भवती थी। 8 जुलाई की रात अचानक हल्का बुखार और सर्दी-खांसी के लक्षण पर परिजन उसे गांव के झोलाछाप डॉक्टर अवधेश ऐड़े के पास लेकर गए। आरोप है कि डॉक्टर ने गर्भावस्था की जानकारी होते हुए भी तीन से पांच इंजेक्शन लगाए, जिससे महिला की तबीयत सुधरने की बजाय और बिगड़ गई।

बाद में प्रियंका को 9 जुलाई की अलसुबह 4.30 बजे लालबर्रा अस्पताल लाया गया जहां उसका उपचार किया गया। जिसके बाद स्थिति को भांपते हुए फिर जिला अस्पताल रेफर कर गाड़ी में लेटाया ही गया था कि अस्पताल के सामने ही गाड़ी में मृतिका प्रियंका ने दम तोड़ दिया, जिसे परिजनों ने पुनः लालबर्रा अस्पताल में डाक्टर नर्स को दिखवाया डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि लापरवाही के बावजूद स्वास्थ्य विभाग (जिला स्तर से) और पुलिस मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। पोस्टमार्टम तक नहीं कराया गया, और बिना कानूनी प्रक्रिया पूरी किए शव परिजनों को सौंप दिया गया।

लालबर्रा बीएमओ द्वारा विकासखंड स्तर की एक टीम बनाकर मामले की वस्तु स्थिति से अवगत होकर परिजनों व आरोपी डॉक्टर के बयान दर्ज कर कार्रवाई के लिए प्रस्तावित निरीक्षण प्रतिवेदन जिला अस्पताल कार्यालय बालाघाट को भिजवा दिया गया है। तत्कालीन समय में अस्पताल में ड्यूटी पर उपस्थित डॉक्टर नर्स से स्पष्टीकरण मांगा गया। परिवार न्याय की गुहार लगाते हुए जिम्मेदारो पर आरोप लगा रहे हैं कि पुलिस एफआईआर दर्ज करने में बाधा डाल रही है, वहीं स्वास्थ्य विभाग ने झोलाछाप डॉक्टर की डिग्री और रजिस्ट्रेशन की जांच नहीं की है। क्षेत्रीय प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच और कठोर कार्रवाई की मांग उठ रही है।

परिजन ने पुलिस व स्वास्थ्य विभाग से त्वरित कार्रवाई, मुआवजा और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम की मांग की है। इस घटना ने ग्रामीण इलाकों में झोलाछाप डॉक्टरों की लापरवाही और सरकारी तंत्र की उदासीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इनका कहना है...

मैं स्वयं अपने स्टाफ के साथ ग्राम टेंगनीकला पहुंचकर वास्तविक वस्तु स्थिति का निरीक्षण किया है, परिजनों व आरोपी डॉक्टर अवधेश ऐड़े के बयान दर्ज कर कार्रवाई के लिए प्रस्तावित निरीक्षण प्रतिवेदन जिला अस्पताल भिजवा दिया गया है। इसके बाद जिला अस्पताल से भी इस मामले पर जांच हेतु एक टीम गठित की गई है। गांव के डॉक्टर को इंजेक्शन लगाने का कोई प्रावधान नहीं है वह सिर्फ दवा गोली दे सकते हैं। उन्हें अपने पास मरीज का ज्यादा समय न गंवाते हुए अस्पताल भेजना चाहिए। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने जांच कर आरोपी डॉक्टर अवधेश ऐड़े पर जल्द उचित कार्रवाई करने हेतु आश्वस्त किया है।

खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) लालबर्रा, सुश्री रितु धुर्वे, बीएमओ लालबर्रा।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्राम कोरका में लगाया गया जन समस्या निवारण शिविर

आईजी एवं कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्या, शिविर में ग्रामीणों की समस्या से संबंधित 318 आवेदन प्राप्त हुए

बालाघाट। राष्ट्रबाण

बालाघाट जिले के दूरस्थ एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र की ग्राम पंचायत मछुरदा के ग्राम कोरका में 30 अगस्त को जनसमस्या निवारण के लिए शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बालाघाट रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री संजय कुमार, कलेक्टर श्री मृणाल मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आदर्शकांत शुक्ला, बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता, सहायक कलेक्टर श्री आकाश अग्रवाल, एसडीओपी श्री करणदीप सिंह, श्री अरविंद कुमार शाह, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर एवं अन्य विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनके निराकरण के निर्देश दिए। शिविर में वन अधिकार पट्टा, बिजली, पेयजल, सड़क के लिए ग्रामीणों ने आवेदन किया। इस शिविर में ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के बाहुल्य वाले ग्राम कोरका में आयोजित शिविर में कुल 318 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 108 आवेदन वन अधिकार पट्टा से संबंधित थे। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार भी किया गया। शिविर में 158 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवायें दी गई। इस शिविर में 29 लोगों को जाति प्रमाण पत्रों का वितरण भी किया गया। इस शिविर में ग्रामीणों ने ग्राम कोरका में आंगनवाड़ी केन्द्र भवन बनवाने, ग्राम बोंदारी में सड़क निर्माण एवं पेयजल के लिए हेंडपंप खनन की मांग की। ग्रामीणों द्वारा वन अधिकार पट्टा में नामांतरण नहीं होने, लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ नहीं मिलने, बिजली का बिल अधिक आने, बिजली की कटौती होने एवं पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलने जैसी समस्याओं के भी आवेदन दिये गये थे।

कलेक्टर श्री मीना ने ग्रामीणों को बताया कि वन अधिकार पट्टा के संबंध में प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर उनका शीघ्रता से निराकरण किया जायेगा। उन्होंने शिविर में उपस्थित ग्राम पंचायत लालपुर, मछुरदा, अडोरी, घुम्मुर, लंहगाकन्हार के सरपंचों एवं सचिवों से कहा कि वन अधिकार पट्टा के लिए सभी पात्र लोगों के आवेदन प्राप्त कर उनका ग्राम सभा में अनुमोदन कर कार्यवाही के लिए शीघ्रता से उप खंड स्तरीय समिति को भिजवायें। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों द्वारा सड़क, आंगनवाड़ी केन्द्र भवन, बिजली एवं पेयजल समस्या के संबंध में दिये गये आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने मौके पर ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की उपयंत्री को निर्देशित किया कि ग्राम बोंदारी में ग्रामीणों की आवश्यकता वाले स्थान पर शीघ्र हैंडपंप का खनन करायें। बिजली विभाग के अधिकारी को ग्रामीणों के बिल का परीक्षण कराने एवं बिजली कटौती की समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये गये। इस दौरान बताया गया कि कोरका क्षेत्र में 413 वन अधिकार पट्टों का वितरण किया जा चुका है और 55 आवेदनों का निराकरण कर उप खंड स्तरीय समिति के समक्ष कार्यवाही के लिए प्रस्तुत कर दिया गया है। शिविर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एसडीओ एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी के उपस्थति नहीं होने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। शिविर में सहायक मत्स्य अधिकारी श्रीमती मीना कोकोटे ने ग्रामीणों को मत्स्य पालन संबंधी योजनाओं की जानकारी दी और ग्रामीणों को बताया कि मत्स्य पालन के लिए तालाब निर्माण करने शासन द्वारा अनुदान दिया जाता है। पशु चिकित्सक द्वारा पशुपालन, दुग्ध उत्पादन संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। बैंक के आयी अधिकारी द्वारा ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना की जानकारी दी गई।

बालाघाट में उपसरपंच पर भालू ने किया हमला, गंभीर घायल

सिर, गर्दन, हाथ, पैर में चोट ; खेत में काम करने के दौरान हुआ वार

बालाघाट। राष्ट्रबाण

बालाघाट के लालबर्रा क्षेत्र में शनिवार दोपहर को एक भालू ने खेत में काम कर रहे किसान पर हमला कर दिया। बोरी के उपसरपंच रघुनाथ मर्सकोले (50) अपनी पत्नी के साथ जंगल से लगे खेत में काम कर रहे थे।

दो भालुओं का जोड़ा, हमले के बाद हुआ फरार

भालू के हमले में रघुनाथ के सिर, गर्दन, हाथ, पीठ और पैर में गंभीर चोटें आईं। पति पर हमला देख पत्नी ने शोर मचाया। आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों ने दौड़कर भालू को भगा दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, वहां दो भालुओं का जोड़ा था, जो हमले के बाद जंगल की ओर भाग गया।

वन विभाग की टीम ने दी 2 हजार की सहायता

सरपंच प्रतिनिधि प्रेमचंद बारमाटे और ग्रामीण घायल रघुनाथ को लालबर्रा अस्पताल ले गए। वन विभाग को सूचना मिलने पर रेंजर टी. मड़ावी ने अस्पताल पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की। विभाग ने इलाज के लिए 2 हजार रुपए की सहायता दी। साथ ही आगे के इलाज और दवाइयों का खर्च भी देने का आश्वासन दिया।

इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर

गंभीर चोटों के कारण रघुनाथ को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। रेंजर मड़ावी ने बताया कि बोरीटोला में हुई इस घटना के बाद घायल किसान की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि जंगल से वन्यप्राणी रहवासी क्षेत्र में ना आए, इसके लिए लगातार गश्त की जा रही है। हमारी लोगों से अपील कि वह सुबह अकेले खेत या जंगल न जाए। जंगलो में वन्यप्राणियों का मूवमेंट बना रहता है, जिसको लेकर लोग सतर्क रहे और सावधानी बरते।

शिक्षक दिवस पर होगा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह

बालाघाट। राष्ट्रबाण

प्रदेश में शिक्षक दिवस के अवसर पर 05 सितम्बर को राजधानी भोपाल में भव्य राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में प्रदेश भर से चयनित 14 उत्कृष्ट शिक्षकों को उनके उल्लेखनीय कार्यों और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। इसमें बालाघाट जिले के माडल स्कूल बिरसा के उच्च माध्यमिक शिक्षक श्री सौरभ कुमार शर्मा भी शामिल हैं। यह बालाघाट जिले के लिए गर्व, उपलब्धि एवं सौभाग्य की बात है कि यहां के शिक्षक को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जायेगा। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्वनी कुमार उपाध्याय ने बताया कि शिक्षक दिवस पर 05 सितम्बर को भोपाल में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित होने वाले शिक्षकों में प्राथमिक एवं माध्यमिक श्रेणी के 08 शिक्षक तथा उच्चतर माध्यमिक श्रेणी के 06 शिक्षक शामिल हैं। पुरस्कृत शिक्षकों को समारोह में 25 हजार रुपये की सम्मान निधि, शॉल और श्रीफलभेंट कर सम्मानित किया जाएगा। बालाघाट जिले से इस वर्ष शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के उच्च माध्यमिक शिक्षक श्री सौरभ कुमार शर्मा का चयन राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार के लिए किया गया है। उनका चयन उच्च माध्यमिक श्रेणी के शिक्षकों में हुआ है।

उल्लेखनीय है कि श्री सौरभ कुमार शर्मा ने अपने शैक्षणिक जीवन में विद्यार्थियों की प्रगति और विद्यालय के विकास के लिए सतत प्रयास किए हैं। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने न केवल बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए हैं बल्कि राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी सफलता हासिल की है। शिक्षा में तकनीकी साधनों का उपयोग,विद्यार्थियों को नवाचार के लिए प्रेरित करना और विद्यालय का शैक्षिक वातावरण बेहतर बनाना उनके कार्यों की प्रमुख विशेषता रही है। श्री शर्मा के चयन की खबर मिलते ही शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों में हर्ष का वातावरण है। सभी ने इसे पूरे जिले और विशेषकर मॉडल स्कूल बिरसा के लिए गर्व व उपलब्धि बताया है।

गणेश मंडप में बांस-मिट्टी से बनी कलाकृतियों से सजावट, बालाघाट सांसद के घर मोदक भी मिट्टी के, स्वदेशी अपनाने की अपील

बालाघाट। बालाघाट की सांसद भारती पारधी ने गणेशोत्सव के माध्यम से वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी का संदेश दिया है। उनके निवास पर स्थापित गणेश मंडप में पूरी सजावट स्वदेशी सामग्री से की गई है। मंडप में आरती और घंटी मिट्टी से बनाई गई हैं। सजावट में बांस से निर्मित विभिन्न कलाकृतियों का प्रयोग किया गया है। बांस से बने सूपे और टोकरियों पर ऑपरेशन सिंदूर, ऑपरेशन महादेव और आत्मनिर्भर भारत के स्लोगन लिखे गए हैं। गणेश प्रतिमा के पीछे भारतीय संसद की आकृति बनाई गई है। यहां तक कि भगवान गणेश के प्रिय भोग मोदक भी मिट्टी से बनाए गए हैं। सांसद पारधी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने का यह प्रयास है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी सांसदों से गणेशोत्सव और दुर्गोत्सव में स्वदेशी उत्पादों के प्रचार का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि बालाघाट में बांस प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है और यहां का कुम्हार समाज मिट्टी के बर्तन बनाता है। इन स्थानीय कलाकारों की प्रतिभा का उपयोग कर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का संदेश दिया गया है। आगामी दुर्गोत्सव में भी वे पंडाल समितियों को स्वदेशी सामग्री का उपयोग करने के लिए प्रेरित करेंगी।

6-7 सितंबर को क्रेन और बोट से होगा प्रतिमा विसर्जन

बालाघाट में विसर्जन स्थल पहुंचे अधिकारी ; छोटी मूर्तियों के लिए बनेंगे कुंड

बालाघाट। राष्ट्रबाण

बालाघाट में गणेश विसर्जन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। प्रशासन और पुलिस की टीम ने शनिवार को शहर के विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया। इस वर्ष अधिक बारिश के कारण नदी, तालाब और नहरों में जलस्तर अधिक है।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बड़ी प्रतिमाओं के लिए क्रेन और बोट की व्यवस्था की गई है। छोटी प्रतिमाओं के लिए विशेष कुंड बनाए गए हैं। शहर में लगभग 80 सार्वजनिक स्थानों के अलावा घरों में भी गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं।

इन घाटों पर पहुंचे अधिकारी

एसडीएम गोपाल सोनी, सीएसपी वैशालीसिंह कराहलिया और अन्य अधिकारियों ने वैनगंगा नदी के कई घाटों का दौरा किया। इनमें छोटे पुल, महामृत्युंजय घाट, गायखुरी घाट, ढिमरटोला घाट, देवटोला और आंवलाझरी नहर शामिल हैं। ढीमरटोला और वैनगंगा नदी के छोटे पुल पर तेज धारा के कारण बोट की व्यवस्था की जाएगी। बड़ी प्रतिमाओं के लिए क्रेन का प्रयोग किया जाएगा। विसर्जन 6 और 7 सितंबर को होगा। नगरपालिका की ओर से विसर्जन स्थलों पर अनाउंसमेंट, टेंट और पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। सभी स्थलों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जाएगी और बचाव दल की टीमें तैनात रहेंगी।

बालाघाट में कहा-कई घोटालों की शिकायत, शासन-प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा

कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष का नपा पर डीजल घोटाले का आरोप

बालाघाट। राष्ट्रबाण

बालाघाट नगरपालिका में कांग्रेस ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि यहां लाखों रुपए का डीजल घोटाला हुआ है। शनिवार को सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष योगराज कारो लिल्हारे और विधायक प्रतिनिधि शफकत खान ने कहा कि नगरपालिका में कई तरह के भ्रष्टाचार सामने आ रहे हैं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

कांग्रेस बोली-डीजल घोटाले की जांच सत्तापक्ष के दबाव में अटकी

नेता प्रतिपक्ष योगराज कारो लिल्हारे ने बताया कि डीजल घोटाले की जांच श्वह्ढ्ढ कर रही है। इसकी जानकारी कलेक्टर को भी दी गई है। कलेक्टर ने जांच का भरोसा तो दिलाया, लेकिन सत्तापक्ष के दबाव में जांच लटक गई है। विधायक प्रतिनिधि शफकत खान ने कहा कि सिर्फ डीजल ही नहीं, रिक्शा कचरा खरीदी, कचरा वाहन, जल आवर्धन योजना, पीएम आवास योजना और सामग्री खरीदी जैसे मामलों में भी घोटाले हुए हैं। जबलपुर के संयुक्त संचालक ने इन मामलों की जांच के निर्देश दिए हैं, लेकिन अभी तक कुछ हुआ नहीं है।

पूर्व सांसद मुंजारे ने नेता प्रतिपक्ष पर उठाए सवाल

पूर्व सांसद मुंजारे ने नेता प्रतिपक्ष पर ही सवाल उठा दिए और उन्हें सत्तापक्ष का दलाल बताया। इस पर लिल्हारे ने जवाब देते हुए कहा कि अगर एक भी दलाली का मामला साबित हो जाए, तो वे खुद जेल जाने को तैयार हैं। लिल्हारे ने यह भी बताया कि नगर में स्विमिंग पूल और मिनी स्टेडियम का भूमिपूजन होने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ है। अगर जल्द काम शुरू नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्षद आंदोलन करेंगे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, रविवार 31 अगस्त 2025

सिवनी राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण

लोक सुनवाई या लोक- तमाशा?

○ गांववासियों का दर्द अनसुना, अफसरों ने क्रेशर माफिया के आगे टेका सिर!

○ लोकतंत्र की जगह 'लोक-तमाशा' चौधरी क्रेशर पर फर्जी लोक सुनवाई का खुलासा!

एक ही जगह निपटा दी गई तीन गांवों की लोक सुनवाई! नियमों की खुलेआम धज्जियां

ठल्लू चौधरी, क्रेशर संचालक : लोक सुनवाई बनी बंद कमरों की डील? ग्रामीणों को बुलाया ही नहीं!

जिस पर क्षेत्रवासियों द्वारा आरोप लगाया जा रहा है कि उक्त लोक सुनवाई की जानकारी किसी को नहीं दी गई ना ही किसी ग्रामीण को शामिल किया गया। जबकि नियम अनुसार लोक सुनवाई के पूर्व उक्त क्रेशरो से प्रभावित समस्त ग्रामीणों को सूचना देना अनिवार्य होता है, जिससे वह उक्त संबंध में आपत्ति या सुझाव दे सके जिससे उक्त क्रेशर के संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उचित निर्णय ले सकें ,किंतु पर्यावरण विभाग एवं राजस्व विभाग के आलाधिकारियों की मिलीभगत के कारण उक्त लोक सुनवाई की खानापूर्ति की गई है....

सिवनी। संजीत सिंह बघेल

मामला मध्य प्रदेश के अंतर्गत आने वाले जिला सिवनी की केवलारी तहसील का है जहां पर ग्राम पंचायत सुनहेरा के ग्राम सुनझिरी में, श्रीमती अंजू पति संत कुमार चौधरी, खसरा नंबर 175,182, 184 (प्राय.) × 181(सरकारी) ग्राम सुनझिरी , जिसका लीज क्षेत्रफल क्षमता 3.53 हेक्टेयर, माइनिंग ऑफ़ मिनरल्स उत्खनन क्षमता 45534 घन मीटर प्रति वर्ष हेतु, ठल्लू लाल चौधरी पिता प्रेमलाल चौधरी ग्राम सुनझिरी खसरा नंबर 354, क्षेत्रफल 1.64 हेक्टेयर ,लीज क्षेत्रफल क्षमता 13580 घन मीटर प्रति वर्ष हेतु एवं संत कुमार ,पिता ठल्लू लाल चौधरी, ग्राम बिछुआ रैयत खसरा नंबर 329/2, 355 /1 , 355 /4 क्षेत्रफल 4.0 हेक्टेयर, लीज क्षेत्रफल क्षमता 97968 घन मीटर प्रति वर्ष हेतु भारत सरकार पर्यावरण एवं वन जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए पर्यावरण विभाग के आला अधिकारियों द्वारा दिनांक 28/08/2025 दिन गुरुवार को एक लोक सुनवाई का आयोजन किया गया था, जिसके आयोजक मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जबलपुर हैं ।

जिस पर क्षेत्रवासियों द्वारा आरोप लगाया जा रहा है कि उक्त लोक सुनवाई की जानकारी किसी को नहीं दी गई ना ही किसी ग्रामीण को शामिल किया गया। जबकि नियम अनुसार लोक सुनवाई के पूर्व उक्त क्रेशरो से प्रभावित समस्त ग्रामीणों को सूचना देना अनिवार्य होता है, जिससे वह उक्त संबंध में आपत्ति या सुझाव दे सके जिससे उक्त क्रेशर के संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा उचित निर्णय ले सकें ,किंतु पर्यावरण विभाग एवं राजस्व विभाग के आलाधिकारियों की मिलीभगत के कारण उक्त लोक सुनवाई की खानापूर्ति की गई है ,क्योंकि उक्त क्रशरों के संचालन से ग्रामीणों के अनेक आपत्ति हैं एवं उक्त क्रशर संचालकों द्वारा अनेक नियमों को उल्लंघन कर क्रेशरो का संचालन किया जा रहा है ।

लोक सुनवाई में हल्का पटवारी नहीं हुए थे शामिल !

हैरानी की बात है कि मामला क्रेशर से जुड़ा हुआ है ,और क्रेशर में भूमि का उत्खनन किया जाता है । शासन द्वारा तय की गई गाइडलाइन के अनुसार भूमि का सीन चीर कर पत्थर निकाल कर बड़ी-बड़ी हैवी मशीनों से उसे तोड़कर उन पत्सेथरों से सोना बनाकर, मोटी रकम वसूली जाती है। इसके बावजूद उक्त लोक सुनवाई में ग्राम बिछुआ रैयत एवं ग्राम सुझरी के हल्का पटवारीयो को शामिल नहीं किया गया था, ना ही उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी दी गई थी ! तो फिर सवाल खड़ा होता है कि किसने उक्त क्रेशरो का खसरा नंबर एवं रकबा का निर्धारण किया होगा ? क्या पर्यावरण विभाग के आला अधिकारियों को भी भूमि से संबंधित जानकारी होती हैं ? क्या बगैर राजस्व विभाग के उक्त भूमि का विधिवत् चयन करने, उसका निर्धारण करने का अधिकार उन्हें मध्य प्रदेश शासन से प्राप्त है ? यह एक अहम सवाल है ।

अकसर क्रेशर संचालक करते हैं इन नियमों का उल्लघंन

मध्य प्रदेश में क्रेशर खदानों के संचालकों द्वारा अक्सर नियमों का उल्लंघन किया जाता है, जिससे पर्यावरणीय और सामाजिक समस्याएं पैदा होती हैं। ये उल्लंघन कई रूपों में होते हैं, जैसे संचालक अक्सर उस क्षेत्र से बाहर खनन करते हैं जिसके लिए उन्हें लीज दी गई है। कई बार सरकारी या वन भूमि पर अवैध रूप से खनन किया जाता है। अनुमति के बिना और बिना वैध दस्तावेजों के भी क्रेशर चलाए जाते हैं। पर्यावरण विभाग से आवश्यक पर्यावरणीय मंजूरी (Environmental Clearance) के बिना भी कई क्रेशर काम कर रहे हैं। क्रेशर से उड़ने वाली धूल (डस्ट) से हवा और आसपास के जलस्रोत प्रदूषित होते हैं। यह धूल खेती को प्रभावित करती है, जिससे फसलों की पैदावार कम हो जाती है। प्रदूषण को रोकने के लिए बनाए गए नियमों का पालन नहीं किया जाता, जैसे कि धूल को दबाने के लिए पानी का छिड़काव न करना या डस्ट अरेस्टर न लगाना। खदान के आसपास पर्याप्त मात्रा में पेड़-पौधे नहीं लगाए जाते, जो प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं। पत्थरों को तोड़ने के लिए भारी मात्रा में और असुरक्षित तरीके से डायनामाइट का उपयोग किया जाता है। इन धमाकों से आसपास के घरों में दरारें पड़ जाती हैं, जिससे लोगों को खतरा होता है। धमाकों के दौरान उड़ने वाले पत्थर और बोल्डर पास के रिहायशी इलाकों और रेलवे ट्रैक पर गिरते हैं, जिससे जान-माल का खतरा बढ़ जाता है। खदानों में खुदाई निर्धारित गहराई से अधिक की जाती है, जिससे गहरी खाईयां बन जाती हैं और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। क्रेशर साइट पर सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं होती। क्रेशर से निकलने वाली धूल और प्रदूषण से स्थानीय लोगों में दमा, खांसी, आंखों की बीमारियां और सिलिकोसिस जैसी गंभीर बीमारियां बढ़ रही हैं। खनन के कारण भूजल स्तर नीचे चला जाता है, जिससे आसपास के कुएं, हैंडपंप और बावड़ी सूख जाते हैं। इन नियमों के उल्लंघन के पीछे अक्सर प्रशासनिक मिलीभगत और कमजोर निगरानी को एक बड़ा कारण बताया जाता है। इन गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सरकार और अदालतों द्वारा समय-समय पर कार्रवाई की जाती है, लेकिन इसकी क्या वजह है कि समस्या पूरी तरह से खत्म नहीं हो पा रही हैं ?

यह है पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली लोक सुनवाई के प्रावधान

मध्य प्रदेश में, लोक सुनवाई का आयोजन राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) द्वारा किया जाता है। यह बोर्ड पर्यावरण विभाग के निर्देशों के तहत काम करता हैं । पर्यावरण और वन मंत्रालय के 2006 के पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना के तहत, क्रेशर खदानों सहित कुछ खनन परियोजनाओं के लिए पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करने से पहले लोक सुनवाई करना अनिवार्य है। लोक सुनवाई का मुख्य उद्देश्य परियोजना से प्रभावित होने वाले लोगों और स्टेकहोल्डर्स को अपनी चिंताओं, आपत्तियों और सुझावों को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने का अवसर देना है। यह पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और निर्णय लेने की प्रक्रिया में जनता की भागीदारी को बढ़ावा देता है। आपको बता दें कि नियमानुसार सार्वजनिक सूचना- एमपीपीसीबी दो स्थानीय समाचार पत्रों में लोक सुनवाई की सूचना प्रकाशित करता है, जिसमें से एक हिंदी और दूसरा अंग्रेजी में होना चाहिए। इस सूचना में सुनवाई की तारीख, समय और स्थान का उल्लेख होता है। लोक सुनवाई आमतौर पर परियोजना स्थल के पास या जिले के मुख्यालय में आयोजित की जाती है ताकि प्रभावित लोगों की पहुंच आसान हो। सुनवाई के दिन, परियोजना के मालिक अपनी परियोजना और ईआईए रिपोर्ट का विवरण प्रस्तुत करते हैं। इसके बाद, प्रभावित लोगों और अन्य स्टेकहोल्डर्स को अपनी बात रखने का अवसर दिया जाता है। वे मौखिक या लिखित रूप में अपनी आपत्तियां और सुझाव दे सकते हैं। पूरी सुनवाई की कार्यवाही की वीडियोग्राफी की जाती है और एक मिनट-टू-मिनट रिकॉर्ड तैयार किया जाता है। सुनवाई के बाद, एमपीपीसीबी लोक सुनवाई की रिपोर्ट और वीडियोग्राफी राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) को भेजता है। अंतिम निर्णय- एसईएसी सभी दस्तावेजों, जिसमें ईआईए रिपोर्ट और लोक सुनवाई का रिकॉर्ड शामिल है, की समीक्षा करती है। समिति इस आधार पर अपनी सिफारिशें राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसईआईएए) को भेजती है। एसईआईएए अंतत: परियोजना को पर्यावरण मंजूरी देने या न देने का अंतिम निर्णय लेता है।

● एक ही स्थान पर हुआ लोक सुनवाई का आयोजन !

आपको बताने की सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार उक्त लोक सुनवाई केवल एक ही स्थान पर एंगल बदल बदल कर की गई है,जबकि नियम अनुसार उक्त लोक सुनवाई प्रत्येक क्रेशर जहां स्थापित है वहां होना था ! जिसका कागजों में निर्धारण भी किया गया था की ग्राम पंचायत बिछुआ रैयत में सुबह 11-00 बजे एवं दोपहर 2-00 बजे एवं ग्राम सुझरी में शाम 4-00 बजे करने का निर्णय लिया गया था,किंतु उक्त लोक सुनवाई ठल्लू लाल चौधरी जी के एक ही निजी स्थान पर आयोजित होकर समाप्त कर दी गई ।

● दोबारा लोक सुनवाई आयोजित होने की उठी मांग !

अनेक ग्रामीणों का कहना है कि उक्त समस्त क्रेशर के संचालन से उन्हें अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जब उनमें ब्लास्टिंग होती है तो धमक उनके घरों तक पहुंचती है ,जिससे कंपन होता है । निरंतर भूमि का जलस्तर नीचे जाता जा रहा है पत्थर की डष्ट से उनकी फसल प्रभावित होती है, किंतु उक्त समस्त क्रशर संचालक ठल्लू लाल चौधरी के परिवार के हैं जिनकी वर्तमान में पहुंच बहुत ऊपर तक है, उनके खिलाफ शिकायत करने पर भी कार्रवाई नहीं होती, क्योंकि वह ऊपर जिम्मेदार अधिकारियों को पैसा खिला देते हैं ।

इनका कहना है

मुझे लोक सुनवाई के संबंध में कोई जानकारी नहीं है, ना ही ग्राम में मुनादी की गई है । क्रेशर से बहुत लोगों को आपत्ति है, क्योंकि उन लोगों द्वारा बड़ी-बड़ी खदान बना दिया गया है उनमें अभी भी धमाके करते हैं,(ब्लास्टिंग) जिसकी धमक गांव तक आती है,पूरा गांव हिल जाता है । ग्राम सुनहेरा खैररांजी एवं सुझरी के निवासी परेशान है ।

- लेखराम ठाकुर,
उपसरपंच ग्राम पंचायत सुनहेरा ।

लोक सुनवाई के विषय में मेरे पास कोई जानकारी नहीं थी, मैं रास्ते पर तैयार बैठा रहा, कि यह लोग मुझे बुलाएंगे लेकिन इन लोगों ने मुझे कोई सूचना नहीं दिया । मैं इंतजार करता रहा, अगर मुझे वहां बुलाते तो मैं ग्राम सुनेहरा , खैररंजी, एवं सुझरी के 10-20 लोगों को लेकर जाता क्योंकि क्रेशर से हम लोग को बहुत तकलीफ है ।

- गोविंद प्रसाद दुबे
सरपंच ग्राम पंचायत सुनहेरा ।

मैं जिस हल्के में पदस्थ हूं, उसे पर सुझरी ग्राम भी आता है लोक सुनवाई के विषय में मुझे कोई सूचना नहीं थी, ना ही मैं कार्यक्रम में शामिल हुआ था। और ना मेरे द्वारा ग्राम के कोटवार को मुनादी करने के विषय में जानकारी दिया है।

- सतीश सोनी
हल्का पटवारी ग्राम सुझरी ।

मैं अभी बिछुआ रैयत हल्के में पदस्थ हूं मुझे लोक सुनवाई के विषय में कोई जानकारी नहीं है ना ही मैं कार्यक्रम में शामिल हुआ था ।

- देवेंद्र मर्सकोले
हल्का पटवारी बिछुआ रैयत ।

लोक जनसुनवाई तो रखी गई थी हमको बुलाए भी थे, एक दिन कोई तारीख थी पर मैं नहीं था तो उनके कागज ले नहीं पाया था। उनके द्वारा बोला गया था कि जिस दिन भी तारीख आएगी उस समय आपको फोन कर देंगे, आप आ जाना । पर मैं कल ग्राम गंगाटोला में दिनभर रहा किसी ने मुझे नहीं बुलाया, ना ही कोई जानकारी दी और ना मैं या हमारे ग्राम के लोग उस आयोजन में शामिल हुए हैं ।

- अर्जुन सिंह राय
सरपंच ग्राम पंचायत बिछुआ रैयत।

यदि उक्त क्रेशर से जिस किसी व्यक्ति को, किसी भी प्रकार की आपत्ति है तो वह मुझे मेरे कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं, मैं तत्काल संबंधित वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित कर दूंगा ।

- महेश अग्रवाल
एसडीएम केवलारी ।

मिलीभगत की है आशंका !

यदि ग्रामीणों द्वारा जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह सही है तो प्रतीत होता है कि उक्त समस्त क्रशरो में अनेक कमियां होगी एवं उनके संचालकों द्वारा नियम कानूनो को अपनी जूतों की नोक पर रखकर रौंदा जा रहा होगा ! इसी वजह से उक्त लोक सुनवाई में उक्त क्रशर संचालकों एवं पर्यावरण विभाग, राजस्व विभाग के जिम्मेदार आला अधिकारियों की मिलीभगत खाना पूर्ति की गई होगी।

स्वयं के कर्मचारियों को सम्मिलित कर हुई लोक सुनवाई

सूत्र से प्राप्त जानकारी अनुसार फोटो एवं वीडियो में लोक सुनवाई को नियमानुसार दिखाने के लिए उक्त क्रशर संचालक द्वारा अपनी ही क्रेशर एवं अन्य संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों को एकत्रित कर लोक सुनवाई को संपन्न करवा दिया गया।

संतान सप्तमी पर महिलाओं ने शिव-पार्वती की पूजा की

सिवनी। राष्ट्रबाण

भाद्रपद मास की सप्तमी को सिवनी जिले में महिलाओं ने संतान सप्तमी का पर्व मनाया। घरों में महिलाओं ने संतान सप्तमी की कथा का वाचन और श्रवण किया। उन्होंने विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की। पूजा में चंदन, वेलपत्र, फूल, धूप, दीप, अक्षत, पुए और नारियल का प्रयोग किया गया। पूजन में शीतल जल, कुमकुम, नारियल, अनाज, वस्त्र और मिष्ठान अर्पित किए गए।

संतान की खुशहाली के लिए किया व्रत

पंडित उपेंद्र उपाध्याय ने बताया कि यह व्रत विशेष रूप से विवाहित महिलाओं के लिए होता है। महिलाएं अपनी संतान की खुशहाली के लिए निराहार रहकर व्रत रखती हैं। इस अवसर पर महिलाएं शिव-पार्वती के साथ शीतला माता की भी पूजा करती हैं। पूजा में कच्चे सूत का डोरा रखकर उसमें सात गांठ लगाई जाती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433